संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक

घटती घटना

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Sarguja DN/2023-2025

www.ghatatighatana.com

ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 311 सोमवार 15 सितम्बर 2025, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

बारिश के चलते वैष्णो देवी यात्रा फिर स्थगित

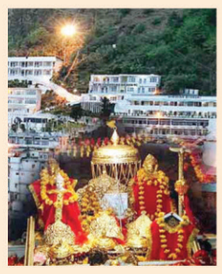

जम्मू,14 सितम्बर 2025 (ए)। माता वैष्णो देवी यात्रा खराब मौसम के कारण 19 दिनों के अंतराल के बाद नहीं शुरू हो पाई और अगले आदेशों तक स्थगित कर दी गई है। भवन और ट्रैक पर लगातार बारिश के चलते यात्रा रोकने के बाद श्राइन बोर्ड ने भक्तों से आधिकारिक संचार चैनलों के माध्यम से अपडेट रहने का अनुरोध है। माता वैष्णो देवी यात्रा के रास्ते में 26 अगस्त को अर्धकुंवारी में इंद्रप्रस्थ भोजनालय के पास भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में कम से कम 34 लोगों की जान चली गई, जिनमें ज्यादातर तीर्थयात्री थे और कई अन्य घायल हो गए। माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के अध्यक्ष जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मामले की जांच करवाई थी। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सचिन कुमार वैश्य ने 13 सितंबर को 22 सितंबर से शुरू होने वाले नौ दिवसीय नवरात्रों के दौरान निर्बाध तीर्थयात्रा सुनिश्चित करने के लिए आध्यात्मिक विकास केंद्र, कटरा में एक संयुक्त बैठक की अध्यक्षता की। सीईओ ने कहा कि नवरात्रि उत्सव नजदीक है और बोर्ड को पवित्र तीर्थस्थल और कटरा में आधार शिविर में भक्तों की एक महत्वपूर्ण आमद की उम्मीद है। इस प्रकार नवरात्र महोत्सव के दौरान सभी हितधारकों के बीच तालमेल पर जोर दिया गया। उन्होंने आने वाले दिनों में परेशानी मुक्त तीर्थयात्रा के लिए विभिन्न मोर्चों पर कार्रवाई करने का भी आह्वान किया।

द बंगाल फाइल्स पर पश्चिम बंगाल में विवाद

बीजेपी नेता ने टीएमसी सरकार पर लगाए गंभीर आरोप,सच छिपाना चाहती है ममता

कोलकाता,14 सितम्बर 2025 (ए)। निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री की चर्चित फिल्म 'द बंगाल फाइल्स' 5 सितंबर को देशभर के सिनेमाघरों में यह फिल्म रिलीज हो चुकी है,लेकिन इसके बावजूद पश्चिम बंगाल के अधिकांश सिनेमा हॉल में यह फिल्म नहीं दिखाई जा रही है। हालांकि कुछ स्थानों पर विशेष स्क्रीनिंग आयोजित की गई, जहां दर्शकों ने फिल्म को देखा और अपनी प्रतिक्रियाएं साझा कीं। इसी बीच, फिल्म को लेकर राजनीतिक विवाद लगातार गहराता जा रहा है। दरअसल, पूर्व क्रिकेटर व बीजेपी नेता अशोक डिंडा ने टीएमसी सरकार पर सख्त टिप्पणी की। उनका कहना है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस फिल्म को रोकने का उद्देश्य पश्चिम बंगाल की सच्चाई छुपाना है। डिंडा ने कहा, डायरेक्ट एक्शन डे के काले सच को इस फिल्म में उजागर किया गया है। अगर बंगाल की जनता इसे देख लेगी, तो आगामी विधानसभा चुनाव में हिंदू समुदाय एकजुट हो जाएगा। इसलिए टीएमसी इसे रोक रही है। दूसरी ओर, त्रिपुरा के पूर्व गवर्नर तथागत रॉय ने भी इस मुद्दे पर अपनी बात रखी। उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी सरकार ने स्क्रीनिंग को रोकने के लिए बेरोजगार युवाओं को भड़का कर बाधा डालने की कोशिश की। रॉय ने बताया, फिल्म में पूर्वी बंगाल और पूर्वी पाकिस्तान के सच को दर्शाया गया है, जिसे सरकार स्वीकार नहीं कर रही।

सीबीआई ने दो अवैध कॉल सेंटरों का किया भंडाफोड़,दो गिरफ्तार

नासिक,14 सितम्बर 2025 (ए)। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने नासिक में चल रहे दो अवैध कॉल सेंटरों का भंडाफोड़ किया है। सीबीआई ने इस साइबर धोखाधड़ी के मामले में दो निजी व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। इन कॉल सेंटरों को मेसर्स स्वगन बिजनेस सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के नाम से चलाया जा रहा था। सीबीआई ने 11 सितंबर को चार निजी व्यक्तियों और अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। आरोप है कि आरोपी बीमा एजेंट और सरकारी अधिकारी बनकर ब्रिटेन के नागरिकों से धोखाधड़ी करते थे। सीबीआई को जांच में पता चला कि इन अवैध कॉल सेंटरों में लगभग 60 लोग काम करते थे। वे वीओआईपी, फर्जी नंबरों और जाली दस्तावेजों का उपयोग करके लोगों को धोखा देते थे। इसके बाद उनके क्रेडिट और डेबिट कार्ड की जानकारी मांग लेते थे और फिर उन्हें ऐसी बीमा पॉलिसी बेचते थे, जिनका कोई अस्तित्व नहीं था। सीबीआई ने नासिक और कल्याण (ठाणे) में कई जगहों पर तलाशी ली। इस दौरान टीम को पीड़ितों का डेटा, फर्जी बीमा पॉलिसी स्क्रिप्ट, आठ मोबाइल फोन, आठ कंप्यूटर सिस्टम, सर्वर और 5 लाख रुपए की नकद राशि मिली। जांच में यह भी सामने आया है कि धोखाधड़ी से प्राप्त पैसे को विभिन्न बैंकिंग चैनलों के माध्यम से ट्रांसफर किया गया था। सीबीआई ने दो आरोपियों को 13 सितंबर को गिरफ्तार कर ठाणे स्थित विशेष सीबीआई अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें सोमवार तक पुलिस हिरासत में भेजा गया है। मामले की आगे की जांच जारी है। इससे पहले सीबीआई ने 10 सितंबर को भी महाराष्ट्र के नासिक के इगतपुरी से संचालित एक फर्जी कॉल सेंटर रैकेट का भंडाफोड़ किया था।

मैं शिव भक्त,जहर निगल लेता हूं : पीएम मोदी

कांग्रेस ने घुसपैठियों को बढ़ावा दिया,गरीबों को ठुकराया,हमारे लिए जनता भगवान

गुवाहाटी,14 सितम्बर 2025 (ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के असम दौरे का रविवार दूसरा दिन था। उन्होंने दरांग और गोलाघाट के नुमालीगढ़ में 18,500 करोड़ के इन्फ्रास्ट्रक्चर और इंडस्ट्रियल प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास किया। पीएम ने दोनों जगहों पर जनसभाएं भी कीं। प्रधानमंत्री ने दरांग में कहा- जब हमने भूपेन हजारिका को भारत रत्न दिया था,तो कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा था कि मोदी, नाचने-गाने वालों को भारत रत्न दे रहा है। मुझे कितनी ही गालियां दे, मैं भगवान शिव का भक्त हूं,सारा जहर निकाल लेता हूं। लेकिन जब किसी और का अपमान होता है, तो मुझसे रहा नहीं जाता।

नुमालीगढ़ में पीएमने कहा- कांग्रेस के कार्यकाल में गरीबों को ठुकराया गया। आदिवासियों के साथ अन्याय हुआ। हमारा मंत्र नागरिक देवो भवः है। हमारे लिए जनता भगवान है। देश के नागरिकों को असुविधा न हो,भाजपा सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

ट्रेड और टूरिज्म का बड़ा सेंटर बनेगा असम : मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हमारी योजनाओं का लाभ यहां चाय बागानों में काम करने वाले भाई और बहनों को भी हो रहा है। उनका हित हमारी प्राथमिकता है। सरकार टी गार्डन में काम करने वाली महिलाओं को मदद दे रही है। उनके स्वास्थ्य,बच्चों की शिक्षा पर हमारा बहुत जोर है। यहां माता और शिशु मृत्यु दर को कम करने के लिए भी योजनाएं चला रही है। कांग्रेस के समय इन श्रमिकों को टी कंपनी के भरोसे छोड़ दिया गया था। लेकिन हम उनके घर,बिजली,पानी और स्वास्थ्य की चिंता कर रहे हैं। असम के विकास का दौर शुरू हो चुका है। असम ट्रेड और टूरिज्म का बड़ा सेंटर बनेगा।

पीएम ने कहा...कांग्रेस के कार्यकाल में गरीबों को ठुकराया और तरसाया गया

प्रधानमंत्री ने कहा...जनजाति समाज के साथ तो ऐतिहासिक अन्याय हुआ है। भाजपा उन्हें ठीक करने में जुटी है। हमारा मंत्र नागरिक देवो भवः है। यानी देश के नागरिकों को असुविधा न हो। भटकना न पड़े। लंबे समय तक कांग्रेस के कार्यकाल में गरीबों को ठुकराया और तरसाया गया। पीएम ने आगे कहा- कांग्रेस का काम एक वर्ग के तुष्टिकरण से हो जाता था। उनको सत्ता मिल जाती थी। लेकिन भाजपा तुष्टिकरण नहीं संतुष्टिकरण पर जोर देती है। कोई भी गरीब और इलाका पीछे न रहे, हम इसके लिए काम कर रहे हैं। अभी तक असम में 20 लाख से ज्यादा पक्के घर गरीबों को मिल गए हैं। घर-घर नल पहुंचाने का काम चल रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा,विकास के प्रयासों के बीच असम के लिए चुनौती भी विकराल होती जा रही है। ये चुनौती है घुसपैठ की। कांग्रेस सरकार ने उन्हें जमीनें दीं। संरक्षण दिया। वोटबैंक के लालच में असम की डेमोग्राफी को बिगाड़ दिया। अब भाजपा सरकार असम के लोगों के साथ मिलकर इस चुनौती का मुकाबला कर रही है।

कांग्रेस ने असम को अलगाव,हिंसा और विवाद दिए : पीएम मोदी

प्रधानमंत्री ने कहा...हमारी सरकार असम की पुरानी पहचान को संरक्षित करते हुए आधुनिक पहचान से जोड़ रही है। कांग्रेस ने असम और दूसरे नॉर्थ ईस्ट राज्यों को अलगाव,हिंसा,विवाद दिए। भाजपा असम को विकास और विरासत से समृद्ध बना रही है। मोदी ने कहा- हमारी सरकार ने असमिया भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया। मुझे खुशी है कि यहां कि सरकार नई एजुकेशन पॉलिसी को भी तेजी से लागू कर रही है। कांग्रेस ने असम के महान सपूतों को भी कभी सम्मान नहीं दिया। प्रधानमंत्री ने आगे कहा...इस धरती पर वीर लाचित बरफुकन जैसे योद्धा हुए। लेकिन कांग्रेस ने कभी उन्हें वो सम्मान नहीं दिया, जिसके वो हकदार थे। हमने उनकी 400वीं जयंती मनाई, 23 भाषा में जीवनी प्रकाशित की। जोरहाट में उनकी विशाल प्रतिमा बनवाई। कांग्रेस ने जिसकी उपेक्षा की, हम उसे अंतिम पंक्ति पर लेकर चल रहे हैं। पीएम ने कहा...आज भारत सबसे तेज विकसित होने वाला देश है। जैसे-जैसे हम विकसित हो रहे हैं, वैसे-वैसे बिजली और ईंधन की जरूरतें भी बढ़ रही हैं। हम विदेश से बिजली और ईंधन आयात करते हैं और बदले में उन्हें लाखों रुपए देने पड़ते हैं। इससे विदेश में रोजगार और आमदनी होती है। इसे बदलना जरूरी है। इसलिए भारत को आत्मनिर्भर बनना जरूरी है और हम इस राह में चल पड़े हैं। प्रधानमंत्री ने कहा...ग्रीन एनर्जी के मामले में भी हम तेजी से कदम उठा रहे हैं। एक दशक पहले हम बहुत पीछे थे, लेकिन आज टॉप 5 देशों में है। बदलते हुए इस समय में भारत को तेल और गैस के विकल्प में और भी ईंधन की जरूरत है। ऐसा ही विकल्प है एथेनॉल।

मातृभाषा से बच्चों को वो सिखा सकते हैं जो उसे कोई पाठ्यक्रम नहीं सिखा सकता : शाह

अहमदाबाद,14 सितम्बर 2025 (ए)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने अहमदाबाद के नारणपुरा में इंटरनेशनल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि दुनिया की सबसे लंबी तैराकी वीर सावरकर ने की थी। उन्होंने यह भी कहा कि 2030 में अहमदाबाद में राष्ट्रमंडल खेल आयोजित किए जाएंगे और ओलंपिक खेलों के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

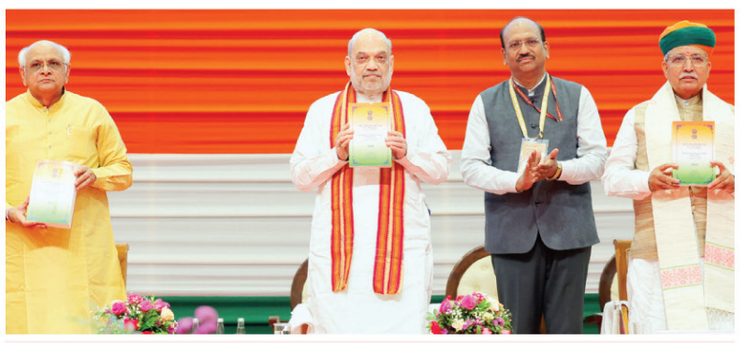

पीएम ने मुझसे कहा...विश्वस्तरीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनाओ

अमित शाह ने कहा कि सबसे पहले मैं देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद करना चाहता हूं। 1960 से ग्रीन बेल्ट बनी हुई थी। मैं यहां नारनपुरा में रहा हूं। इस जगह को स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के रूप में विकसित नहीं किया गया था। 2019 के बाद मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पास गया और कहा कि मैं अपने घर से 400 मीटर की दूरी पर एक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनाना चाहता हूं। बाद में प्रधानमंत्री ने मुझे बुलाकर कहा- स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनाओ, लेकिन विश्वस्तरीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स।

मार्था टेक्नोलॉजी से बना है स्विमिंग पूल

आमतौर पर स्विमिंग पूल बनाने के लिए गड्ढा खोदा जाता है। नीले रंग की टाइलें लगती हैं और पानी भरा जाता है, लेकिन मार्था टेक्नोलॉजी में पीवीसी कोटेड ऊंचे स्टील के गर्डर-प्लेटें लगती हैं। उस पर विशेष पीवीसी या रबर जैसी सामग्री की शीट बिछाते हैं। इस शीट पर पानी भरा जाता है, अगर कोई तैराक छलांग लगाए या तेज तैरे, तो भी वह जमीन पर लगी टाइलों से नहीं टकराएगा। कोई चोट नहीं लगेगी। मार्था पूल तकनीक में पूल को कस्टमाइज़ किया जा सकता है, यानी पूल को उसकी क्षमता के अनुसार छोटा या बड़ा बनाया जा सकता है। इससे पहले गृहमंत्री ने गांधीनगर के महात्मा मंदिर में अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का उद्घाटन किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा...भारतीय राजभाषा का भविष्य उज्ज्वल है। आपको अपने बच्चों को अपनी मातृभाषा बोलना और पढ़ना सिखाना चाहिए। यह आपके बच्चों के लिए बहुत जरूरी है। अगर बच्चे की सोचने की शक्ति उसकी मातृभाषा में होगी,तो वह उसी भाषा में विश्लेषण,अनुमान और निर्णय लेगा।

दुनिया की सबसे लंबी तैराकी वीर सावरकर ने की थी : शाह

खेलों की शुरुआत सबसे पहले भारत में हुई थी। पिछले 10 सालों में भारत में खेलों में बहुत बड़ा बदलाव आया है। दुनिया की सबसे लंबी तैराकी वीर सावरकर ने की थी। जब अंग्रेज वीर सावरकर को जहाज में ला रहे थे, तो वे पैरों और हाथों में बेड़िया बंधे हुए ही समुद्र में कूद गए और तैरकर फ्रांस पहुंच गए थे। दुर्भाग्य से अंग्रेज उन्हें पकड़कर भारत ले आए और उन्हें एक ही जीवन में दो आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई।

असम में 5.8 तीव्रता का भूकंप

पश्चिम बंगाल-भूटान तक झटके महसूस किए गए

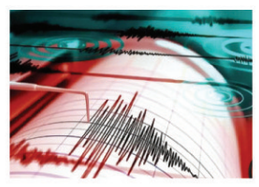

नई दिल्ली,14 सितम्बर 2025 (ए)। असम में रविवार शाम 4:41 बजे 5.8 तीव्रता का भूकंप आया। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक,भूकंप का केंद्र असम के उदलगुरी में 5 किलोमीटर की गहराई पर था। इसके झटके पश्चिम बंगाल, अरुणाचल प्रदेश और पड़ोसी देश भूटान तक महसूस किए गए। भूकंप के बाद गुवाहाटी में लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए। अब तक कहीं से जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है। हालांकि, कई मकानों में दरारें आ गई हैं। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने सोशल मीडिया पर लिखा– असम में बड़ा भूकंप आया। सभी की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करता हूं, सभी सतर्क रहें। नॉर्थ ईस्ट उच्च भूकंपीय क्षेत्र में आता है, जहां इस तरह के भूकंप अक्सर आते रहते हैं।

महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में दो लाख का इनामी माओवादी गिरफ्तार

मुंबई,14 सितम्बर 2025 (ए)। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में पुलिस टीम ने दो लाख रुपये के इनामी माओवादी को गिरफ्तार किया है। इस इनामी माओवादी की पहचान शंकर भीमा महाका के रुप में की गई है। गढ़चिरौली जिले के पुलिस अधीक्षक नीलोत्पल ने रविवार को पत्रकारों को बताया कि पुलिस टीम जिले के भामरागढ़ तहसील के ताड़गांव जंगल में पुलिस और सुरक्षा बल जांच अभियान चला रहे थे। इसी दौरान पुलिस ने संदिग्ध हालात में एक शख्स को पकड़ा और उससे पूछताछ शुरु की। इस पूछताछ में पता चला कि वह कुख्यात माओवादी शंकर महाका है।

मेरा दिमाग 200 करोड़ रुपये प्रति माह का,पैसे की कमी नहीं : नितिन गडकरी

नागपुर,14 सितम्बर 2025 (ए)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने नागपुर के एक कार्यक्रम में इथेनॉल मिले पेट्रोल विवाद पर टिप्पणी की। उन्होंने आरोप लगाया कि यह एक पेड और राजनीतिक रूप से प्रेरित सोशल मीडिया अभियान है। कार्यक्रम के दौरान गडकरी ने कहा कि उनका दिमाग 200 करोड़ रुपये प्रति माह का है और वे ईमानदारी से कमाते हैं,इसलिए धोखाधड़ी की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने अपने बेटों के कारोबार को वैध बताते हुए स्पष्ट किया कि वे किसी भी तरह के फायदे के लिए नीतियां नहीं बनाते। उन्होंने आगे कहा...मेरे पास पैसे की कमी नहीं है। मुझे पता है कि पैसे कहां से ईमानदारी से कमाना है। मेरे बेटे ने ईरान से 800 कंटेनर सेव लाकर 1000 कंटेनर केले वहां भेज दिए। गडकरी

ने कहा- मैं अपने बेटों को विचार देता हूं, लेकिन धोखाधड़ी नहीं करता। मेरा चीनी कारखाना,डिस्टिलरी और पावर प्लांट है, लेकिन मैं कृषि में व्यक्तिगत लाभ के लिए प्रयोग नहीं कर रहा हूं। भारत में हाल के हफ्तों में इथेनॉल मिले पेट्रोल (ई20) की अनिवार्य बिक्री को लेकर लोगों ने सोशल मीडिया पर इसकी खूब आलोचना की। वाहन मालिकों का दावा है कि यह ईंधन माइलेज कम करता है और पुराने वाहनों को नुकसान पहुंचाता है।

क्या होता है एथेनॉल : एथेनॉल एक तरह का अल्कोहल है, जो स्टार्च और शुगर के फर्मेंटेशन से बनाया जाता है। इसे पेट्रोल में मिलाकर गाड़ियों में इको-फ्रैंडली फ्यूल की तरह इस्तेमाल किया जाता है। एथेनॉल का उत्पादन मुख्य रूप से गन्ने के रस से होता है, लेकिन स्टार्च कॉन्टेनिंग मटेरियल्स जैसे मक्का, सड़े आलू, कसावा और सड़ी सब्जियों से भी एथेनॉल तैयार किया जा सकता है।

दुनिया में संघर्ष की वजह स्वार्थ और अहंकार : मोहन भागवत

इंदौर,14 सितम्बर 2025 (ए)। इंदौर में संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत रविवार को नर्मदा खंड सेवा संस्थान के कार्यक्रम में शामिल हुए। यहां उन्होंने मंत्री प्रहलाद पटेल की लिखी पुस्तक कृपा सार का विमोचन किया। सीएम डॉ. मोहन यादव और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि मुझे बताया गया कि पुस्तक में नर्मदा परिक्रमा के अनुभव का वर्णन है। इसे मैंने मान्य कर लिया है क्योंकि नर्मदा परिक्रमा बहुत बड़ी श्रद्धा का विषय है। हमारा देश श्रद्धा का देश है। यहां कर्मवीर भी हैं और तर्कवीर भी हैं। तर्क और शास्त्रार्थ में हमारा देश कहीं भी पीछे नहीं है। लेकिन, हम लोग जानते हैं कि श्रद्धा और

विश्वास से जीवन चलता है। जिन्हें जड़वादी कहा जाता है वे भी आजकल इसको मानते हैं। दुनिया श्रद्धा और विश्वास पर चलती है। आज दुनिया में संघर्ष इसलिए है, क्योंकि सभी के मन में अहम है, जिसमें केवल यह सोच है कि मैं ही आगे बढ़ूं और दूसरा कोई आगे ना बढे, इसलिए सभी आपस में भिड़े हुए हैं। भागवत ने कहा कि निजी स्वार्थ और अहंकार दुनिया में संघर्ष और टकराव की जड़ हैं। संघ प्रमुख ने कहा कि गला काटने का काम, जेब काटने का काम पहले दर्जी करते थे, अब पूरी दुनिया कर रही है। बाज और कबूतर की कहानी सिखाती है कि ज्ञान और कर्म दोनों जरूरी हैं। सिर्फ ज्ञानी होकर निष्क्रिय रहना गड़बड़ी करता है। उन्होंने कहा कि जीवन एक नाटक की तरह है जहां हर व्यक्ति को अपनी भूमिका निभानी होती है, लेकिन अंत में असली पहचान आत्मा की होती है। पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल ने नर्मदा परिक्रमा के अनुभव भी साझा किए। उन्होंने कहा कि मैंने पहले पुस्तक को छापने से मना कर दिया था, क्योंकि मेरा मकसद नर्मदा को बेचना नहीं था।

श्रद्धा और विश्वास को हमारे यहां भवानी-शंकर नाम दिया

भागवत ने कहा...हमारे यहां जो श्रद्धा है। यह कहीं सुनने से नहीं आई है। यह काल्पनिक श्रद्धा नहीं है। जो कोई प्रयास करेगा वो उसे ले सकेगा। ऐसा हम सुनते हैं कि वैज्ञानिक बुद्धि से चलो। लेकिन, वैज्ञानिक बुद्धि क्या है यानी प्रत्यक्ष प्रमाण चाहिए। लेकिन,आज ऐसा कहने वाले लोगों के पास प्रत्यक्ष प्रमाण होगा ऐसा नहीं है। लेकिन, हमारे भारत की जो श्रद्धा है उस श्रद्धा के लिए प्रत्यक्ष प्रमाण है। प्रत्यक्ष प्रमाण साझा करने वाले लोग हैं। आपको वो प्रमाण लेना है तो प्रयास और प्रयोग करने होंगे। इसलिए श्रद्धा और विश्वास की भावना को हमारे यहां साकार रूप दिया है। उनको भवानी और शंकर रूप दिया है। भगवान अपने अंदर हैं। बिना श्रद्धा और विश्वास के उसके दर्शन नहीं कर सकते हैं।

हरिद्वार में अस्थियां विसर्जन करके लौट रहे परिवार की कार नाले में गिरी,सात लोगों की मौत

जयपुर,14 सितम्बर 2025 (ए)। जयपुर में एक कार बेकाबू होकर रिंग रोड से नीचे गिर गई। हादसे में कार सवार दो परिवार के सात लोगों की मौत हो गई। हादसा शिवदासपुरा थाना इलाके में प्रहलादपुरा के पास शनिवार देर रात हुआ। रविवार दोपहर करीब 12:30 बजे अंडरपास में भरे पानी में क्षतिग्रस्त कार उलटी पड़ी दिखाई दी। लोगों ने कार देखकर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने क्रेन की मदद से कार को बाहर निकाला तो चौंक गई। कार में 7 लोगों के शव थे। पुलिस ने कार में फंसे शवों को निकाला। महात्मा गांधी हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए।

हरिद्वार में अस्थि विसर्जन कर लौट रहे थे

एसएचओ सुरेंद्र सैनी ने बताया- वाटिका सांगानेर निवासी रामराज वैष्णव (38), पत्नी मधु (36) और बेटे रुद्र (14 महीने) और फुलियाकलां (भीलवाड़ा) निवासी उनके रिश्तेदार अशोक वैष्णव उर्फ कालूराम (47), उनकी पत्नी सीमा देवी (45), बेटे रोहित

(23) और पोते गजराज (3) की मौत हो गई। रामराज टैक्सी चलाते थे। उनके चार बेटी और हैं। कालूराम के पिता का निधन हो गया था। शुक्रवार को तीये की बैठक के बाद दोनों परिवार के सात लोग अस्थि विसर्जन के लिए हरिद्वार गए थे। वे अस्थि विसर्जन कर देर रात कार से जयपुर लौट रहे थे। शिवदासपुरा इलाके में प्रहलादपुरा के पास रिंग रोड पर ओवर स्पीड कार बेकाबू होकर डिवाइडर से टकराई। इसके बाद रिंग रोड से 16 फीट नीचे अंडरपास में भरे पानी में गिर गई।

संपादकीय

आधार नागरिकता नहीं सिर्फ पहचान...

विशेष गहन पुनरीक्षण के नाम पर बिहार में मतदाताओं को कई तरह के दस्तावेज जुटाने की आफत में में डाल रहे निर्वाचन आयोग को उच्चतम न्यायालय ने सख्त संदेश दे दिया है।इस बात से मतदाताओं को तो राहत मिलेगी साथ ही विपक्षी दलों के नेताओं की उन आशंकाओं पर भी कुछ विराम लगेगा जिससे उनमें बड़े पैमाने पर वोट काटे जाने की चिंता पैदा हो गई है। विपक्ष की आशंकाओं को आधार को निर्धारित दस्तावेजों की सूची में न रखने से बढ़ गई थी।शीर्ष अदालत नेनिर्वाचन आयोग को स्पष्ट निर्देश दिया कि वह चुनावी राज्य बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में मतदाता की पहचान सुनिश्चित करने के लिए आधार' को 12 वें निर्धारित दस्तावेज के रूप में शामिल करे। अभी तक एसआईआर के लिए 11 दस्तावेज निर्धारित हैं जिन्हें मतदाताओं को अपने प्रपत्रों के साथ जमा करना है। यहां अदालत ने साफ कर दिया कि आधार को नागरिकता का प्रमाण नहीं माना जाएगा इसे सिर्फ पहचान के लिए स्वीकार किया जाए।आयोग को यह अधिकार दिया गया है कि मतदाता द्वारा प्रस्तुत आधार कार्ड की संख्या की वास्तविकता का पता लगा सकता है। अदालत के अनुसार यह साफ होना चाहिए कि केवल वास्तविक नागरिकों को ही मतदान करने की अनुमति हो। जाली दस्तावेज वालों को मतदाता सूची से बाहर रखा जाए।आयोग की दलील थी कि मसौदा मतदाता सूची में शामिल 7.24 करोड़ मतदाताओं में से 99.6 प्रतिशत ने दस्तावेज जमा कर दिए हैं और अब आधार' को 12वें दस्तावेज के रूप में शामिल करने के अनुरोध से कोई व्यावहारिक उद्देश्य पूरा नहीं होगा। शीर्ष अदालत ने आधार अधिनियम 2016 और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के प्रावधानों का हवाला दिया और कहा कि यह नागरिकता का प्रमाण नहीं है, लेकिन इसे पहचान के प्रमाण के रूप में स्वीकारा जा सकता है।आयोग ने सूचित किया था कि एसआईआर के तहत बिहार में तैयार की गई मसौदा मतदाता सूची में दावे,आपत्तियां और सुधार एक सितम्बर के बाद भी दायर किए जा सकते हैं,लेकिन मतदाता सूची को अंतिम रूप दिए जाने के बाद ही इन पर विचार किया जाएगा।मसौदा सूची में 65 लाख नाम कट चुके हैं। आयोग का कहना है कि इनमें मृत तथा स्थान बदल चुके लोग शामिल हैं तो विपक्ष का कहना है कि इनमें कोई अवैध प्रवासी या घुसपैठिया क्यों नहीं है जिनके नाम पर सारी कवायद की गई थी।

हिन्दी को जनमानस की भाषा मानते थे गांधी जी

कुमार कृष्णन
विभूति फीचर्स

प्रतिवर्ष 14 सितंबर का दिन हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है। वर्ष 1949 में इसी तारीख को संविधान सभा ने एक लंबी और सजीव बहस के बाद देवनागरी लिपि में हिंदी को भारतीय संघ की राजभाषा के रूप में अपनाया था। भारतीय संविधान के भाग XVII के अनुच्छेद 343 से 351 तक इसी विषय के बारे में है। अनुच्छेद 343 (1) में यह घोषणा की गई है कि देवनागरी लिपि में हिंदी संघ की राजभाषा होगी। लेकिन अनुच्छेद 343 (2) और उसके बाद के अनुच्छेदों को पढ़ने से पता चलता है कि भारत जैसे बहुभाषी राष्ट्र में राजभाषा के मुद्दे को बहुत कठिन और जटिल रास्ते से होकर गुजरना है क्योंकि देश के सरकारी संस्थानों में अंग्रेजी में निर्धारित कानूनों, नियमों और विनियमों का ही वर्चस्व है।
इसका एक समझौता के रूप में वर्णन किया जा सकता है। उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालयों की सभी कार्यवाहियां,संसद और राज्य विधानसभाओं में पेश किए जाने वाले या पारित सभी विधेयकों और अधिनियमों के अधिकृत पाठ, संविधान के तहत पारित सभी आदेश/नियम/कानून और विनियमों को अंग्रेजी में ही होना चाहिए (जैसा औपनिवेशिक भारत में था)। 17 फरवरी, 1987 को संविधान (58वां) संशोधन अधिनियम के पारित होने तक संविधान (संशोधनों में शामिल) का कोई अद्यतन संस्करण संशोधनों के साथ हिंदी में जारी नहीं किया जा सकता था। विभिन्न कारणों से एक राजभाषा के रूप में हिंदी का प्रदर्शन संतोषजनक नहीं रहा है। यही कारण है कि 78 वर्षों के बाद भी हिन्दी अंग्रेजी की जगह लेती हुई कहीं भी दिखाई नहीं दे रही है। हमारे संविधान निर्माताओं ने इस कार्य के लिए केवल 15 साल का समय दिया था।

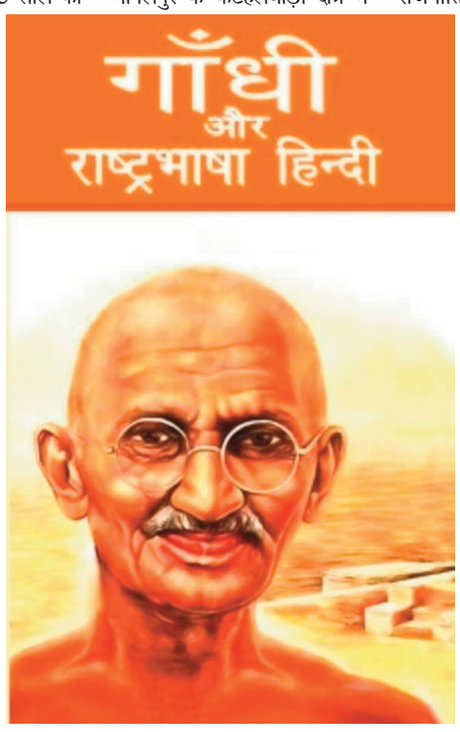

राजभाषा की अवधारणा राज्य के विभिन्न अंगों जैसे विधायिका, कार्यपालिका,न्यायपालिका और सशस्त्र बलों आदि से संबंधित है। हालांकि,देश अपने सरकारी संस्थानों से कहीं बड़ा है। भारत में महात्मा गांधी ने जो जन जागरण किया वह संस्थानों से बाहर हुआ था। उनका असहयोग आंदोलन या भारत सरकार अधिनियम 1919 के तहत कांग्रेस का चुनाव में भाग लेने के उनके विरोध से यह पता चलता है कि उन्होंने देश की अपने संस्थानों पर निर्भरता को नकार दिया था। गांधीजी औपनिवेशिक भारत में उसके राज्य तंत्र के बीच की खाई और उसके लाखों लोगों के बारे में पूरी तरह जागरूक थे। वे भारत की बजाय भारतीय राष्ट्र को संबोधित करना चाहते थे। गांधीजी ने ऐसा करने के लिए अंग्रेजी की बजाय लोगों की भाषा का उपयोग करने का तरीका अपनाया।

भाषा का यह प्रश्न गांधीजी के स्वदेशी अभियान का अभिन्न अंग था। उन्होंने यह समझ लिया था कि लोग अपनी भाषा के जरिए ही स्वराज के मिशन में शामिल हो सकते हैं। इसलिए 1915 में दक्षिण अफ्रीका से लौटने के बाद, गांधी ने हिंदी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं के अधिक से अधिक उपयोग पर जोर दिया। प्रताप (हिन्दी) में 28 मई, 1917 को प्रकाशित उनके लेख में हिंदी को राष्ट्रीय भाषा के रूप में स्वीकार करने की वकालत की गई थी। 15 अक्टूबर 1917 को भागलपुर के कटहलबाड़ी क्षेत्र में

बिहारी छात्रों का एक सम्मेलन आयोजित किया गया था। देशरत्न डॉ राजेन्द्र प्रसाद के निर्देश पर बिहारी छात्रों के संगठन का काम लालूचक के श्री कृष्ण मिश्र को सौंपा गया था। बिहारी छात्रों के सम्मेलन की अध्यक्षता महात्मा गांधी ने की थी। अपने संबोधन में महात्मा गांधी ने कहा था-'मुझे अध्यक्ष का पद देकर और हिन्दी में व्याख्यान देना और सम्मेलन का काम हिन्दी में चलाने की अनुमति देकर आप विद्यार्थियों ने मेरे प्रति अपने प्रेम का परिचय दिया है। इस सम्मेलन का काम इस प्रांत की भाषा में ही और वही राष्ट्रभाषा भी है-करने का निश्चय दूरन्वेषी से किया है।' इस सम्मेलन में सरोजनी नायडू का भाषण अंग्रेजी से हिन्दी में अनुदित होकर छपा था। यह सम्मेलन आगे चलकर भारत की राजनीति, विशेषकर स्वतंत्रता संग्राम में राजनीति का कॉनवास बना, जिससे घर-घर में स्वतंत्रता संग्राम का शंखनाद करना मुमकिन हो सका। वही प्रसिद्ध गांधीवादी काका कालेलकर ने इस सम्मेलन के भाषण को राष्ट्रीय महत्व प्रदान कर राष्ट्रभाषा हिन्दी की बुनियाद डाली थी। बाद में इसी कटहलबाड़ी परिसर में मारवाड़ी पाठशाला की स्थापना हुई। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने हिन्दी को जनमानस की भाषा कहा था। उन्होंने 1918 में आयोजित हिन्दी साहित्य सम्मेलन में हिन्दी को राष्ट्र भाषा बनाने के लिए कहा था। इसमें उन्होंने कहा था कि ज्यादातर भारतीय,जिन्हें न तो हिंदी आती है और न ही अंग्रेजी,उनके लिए हिन्दी सीखना अधिक आसान होगा। उन्होंने कहा कि केवल डरपोक होने के कारण ही भारतीयों ने अपना राष्ट्रीय कार्य व्यापार हिंदी में करना शुरू नहीं किया है। अगर भारतीय इस कायरता को छोड़ दे और हिंदी में विश्वास जताएं तो राष्ट्रीय और प्रांतीय परिषदों का कार्य भी इस भाषा में किया जा सकता है।

इसी लेख में गांधीजी ने पहली बार दक्षिण भारत में हिंदी मिशनरियों को भेजने का विचार प्रस्तुत किया। उन्हीं के विचार ने 1923 में स्थापित दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा के रूप में मूर्त रूप लिया। 20 अक्टूबर 1917 को भरूच में दूसरे गुजरात शिक्षा सम्मेलन में दिया गांधीजी का भाषण महत्वपूर्ण समझा जाता है। इस भाषण में उन्होंने हिंदी को लोकप्रिय बनाने में स्वामी दयानंद सरस्वती के अग्रणी प्रयासों की सराहना की।

स्वामी दयानंद (1824-1883) गांधीजी की तरह ही गुजरात के रहने वाले थे। वे धार्मिक बहस और शिक्षण के माध्यम के तौर पर संस्कृत का उपयोग करते थे। हिमालय क्षेत्र और उत्तर भारत में दशकों तक रहने के बावजूद उन्होंने कभी भी हिंदी सीखने का प्रयास नहीं किया। लेकिन 1873 में, जब वे कोलकाता की यात्रा पर गए,तो उनकी भेंट ब्रह्म समाज के केशब चन्द्र सेन से हुई। सेन ने उन्हें सलाह दी कि वे जनता तक पहुंच बनाने के लिए संस्कृत की जगह हिंदी का उपयोग करें। दिलचस्प बात यह है कि स्वामी दयानंद और केशब चन्द्र सेन दोनों में से कोई भी मूल रूप से हिंदी भाषी नहीं था। उन्होंने इस मैत्रीपूर्ण परामर्श को स्वीकार कर लिया और थोड़े ही समय में हिंदी में महारत हासिल कर ली। उन्होंने अपनी महान कृति सत्यार्थ प्रकाश (1875) की रचना भी हिंदी में ही की। उनके द्वारा स्थापित आर्य समाज ने हिंदी को लोकप्रिय बनाने की सशक्त एजेंसी के रूप में कार्य किया।

इस प्रकार गांधीजी ने हिंदी की मशाल उस जगह से अपने हाथ में थामी,जहां स्वामी दयानंद ने उसे छोड़ा था। जहां एक ओर स्वामी दयानंद का मिशन धार्मिक था, वहीं दूसरी ओर गांधीजी का मिशन राष्ट्रीय था। गांधीजी ने हिंदी को भारतीय मानस को 'उपनिवेशवाद से मुक्त' कराने के साधन के रूप में देखा। हिंदी को लोकप्रिय बनाने के उनके मिशन को दक्षिण भारत में कई लोगों ने आगे बढ़ाया।

जी. दुर्गाबाई (1909-1981) जो आगे चलकर संविधान सभा की सदस्य भी बनीं, ने किशोरावस्था में काकीनाडा (आंध्र प्रदेश),में लोकप्रिय बालिका हिंदी पाठशाला का संचालन किया। बालिका हिंदी पाठशाला का दौरा करने वालों में सी.आर. दास,कस्तूरबा गांधी, मौलाना शौकत अली,जमना लाल बजाज और सी.एफ. एंड्रयूज शामिल थे। वे यह देखकर हैरत में पड़ गये कि कुछ सौ महिलाओं को हिंदी का ज्ञान प्रदान करने वाली पाठशाला का संचालन एक किशोरी द्वारा किया जा रहा है।
लेकिन दुर्गाबाई के संविधान सभा तक पहुंचते-पहुंचते दक्षिण भारत में हिंदी के हालात बदल चुके थे। उन्होंने महसूस किया कि मूल हिंदी भाषियों द्वारा हिंदी के पक्ष में जोशोखरोश से किये गये प्रचार ने अन्य भाषाओं के लोगों को बेगाना कर दिया। स्वयं सेवियों ने जो उपलब्धि हासिल की थी, उत्साही गुमराह लोग उसे नष्ट कर रहे थे। इसीलिए उन्होंने 14 सितंबर, 1949 को अपने भाषण में कहा, 'इस सदी के आरंभिक वर्षों में हमने जिस उत्साह के साथ हिंदी को आगे बढ़ाया था,उसके विरूद्ध इस आंदोलन को देखकर मैं स्तब्ध हूं। श्रीमान,उनकी ओर से बढ़चढ़कर किया जा रहा प्रचार का दुरूपयोग मेरे जैसे हिंदी का समर्थन करने वाले लोगों का समर्थन गंवाने का जिम्मेदार है और जिम्मेदार होगा। जी. दुर्गाबाई द्वारा अपने भाषण में जिस कशमकश की बात की है वह 78 साल बाद आज भी प्रासांगिक है।
भाषा के कानूनी दर्जे को लागू करने वालों की तुलना में गैर हिंदी भाषी अपने स्वैच्छिक प्रयासों के बल पर हिंदी के प्रति ज्यादा जिम्मेदार होंगे। संवर्द्धित साक्षरता तथा हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं के बीच सांस्कृतिक संपर्क हिंदी के उद्देश्य के लिए ज्यादा मददगार होंगे।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

एक दिवस में क्यों बंधे,हिन्दी का अभियान...

प्रियंका सौरभ
हिसार,हरियाणा

हिंदी दिवस प्रतिवर्ष 14 सितंबर को मनाया जाता है। यह दिन हमें यह सोचने का अवसर देता है कि हिंदी का स्थान आज हमारे समाज,शिक्षा, साहित्य और तकनीक में कहाँ है। लेकिन एक सवाल हमेशा उठता है–क्या किसी भाषा का सम्मान केवल एक दिन मनाने तक ही सीमित रह जाना चाहिए? भाषा तो जीवन की धारा है,वह हर दिन,हर पल हमारे साथ बहती है। इसीलिए यह दोहा हमें झकझोरता है कि हिंदी का अभियान किसी दिवस में क्यों बंधे? हिंदी को तो भारतवासियों की सांसों में रचा-बसा रहना चाहिए।
हिंदी केवल एक भाषा नहीं,बल्कि करोड़ों भारतीयों की पहचान और आत्मा है। यह भाषा हमें जोड़ती है, हमारी संस्कृति को अभिव्यक्त करती है और देश की विविधता में एकता का सूत्र बनाती है। अंग्रेज़ी,विज्ञान और तकनीक की भाषा हो सकती है, लेकिन हिंदी हमारे हृदय की भाषा है। इसे केवल भाषणों,आयोजनों और सरकारी औपचारिकताओं में सीमित कर देना इसके महत्व को छोटा करना है।आज के दौर में यह और भी आवश्यक हो गया है कि हम हिंदी को एक दिवस तक सीमित न रखें। अंग्रेज़ी का प्रभुत्व इतना बढ़ गया है कि लोग यह मानने लगे हैं कि सफलता की गारंटी केवल अंग्रेज़ी सीखने से मिलती है। अभिभावक अपने बच्चों को अंग्रेज़ी माध्यम स्कूलों में भेजने को ही भविष्य की सुरक्षा मानते हैं। लेकिन यह एक गहरी भ्रांति है। दुनिया के जिन देशों ने प्रगति की है–जापान, कोरिया, चीन,जर्मनी–उन्होंने अपनी मातृभाषाओं को शिक्षा और विकास का आधार बनाया है। भारत ही एक ऐसा देश है जहां अपनी ही भाषा को हीन दृष्टि से देखा जाता है। यह मानसिकता बदलनी होगी।

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (2020) ने इस सोच को सुधारने का प्रयास किया है। इसमें प्रावधान है कि कक्षा 5 तक शिक्षा का माध्यम मातृभाषा या स्थानीय भाषा हो। इसका सीधा अर्थ है कि हिंदी भाषी राज्यों में हिंदी के माध्यम से शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा। इससे बच्चों की समझ और आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जब शिक्षा अपनी भाषा में होगी तो बच्चे बोझ महसूस नहीं करेंगे और पढ़ाई को आनंदपूर्वक आगे बढ़ाएंगे। इस नीति को सही मायनों में लागू करना हिंदी के अभियान को निरंतरता देगा।
हिंदी दिवस पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में अक्सर बड़े-बड़े नारे लगाए जाते हैं,भाषण दिए जाते हैं और हिंदी के गौरव का बखान होता है। लेकिन समस्या यह है कि यह सब अगले ही दिन ठंडा पड़ जाता है। हमें यह तय करना होगा कि हिंदी का उपयोग रोज़मर्रा की जिंदगी में कैसे बढ़ाया जाए। दफ्तरों में,अदालतों में, तकनीकी संस्थानों में,यहां तक कि सोशल मीडिया पर भी हिंदी का स्थान और सशक्त होना चाहिए। केवल मंच पर हिंदी का गुणगान करने से काम नहीं चलेगा, बल्कि उसे व्यवहारिक जीवन में उतारना होगा।
आज हिंदी इंटरनेट की दुनिया में तेजी से फैल रही है। आंकड़े बताते हैं कि हिंदी कंटेंट उपभोक्ताओं की संख्या अंग्रेज़ी से कहीं अधिक तेज़ी से बढ़ रही है। गूगल,फेसबुक,यूट्यूब जैसी कंपनियाँ हिंदी में विशेष रूप से सामग्री उपलब्ध करा रही हैं। इसका अर्थ है कि हिंदी की संभावनाएँ अपार हैं। हमें इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए और हिंदी को आधुनिकता से जोड़ना चाहिए। हिंदी में विज्ञान,तकनीक, प्रबंधन और कानून की शब्दावली विकसित कर इसे समकालीन जरूरतों के अनुरूप बनाना होगा।
हिंदी साहित्य का संसार भी बहुत विशाल और समृद्ध है। कबीर, तुलसी, सूर,प्रेमचंद,निराला,महादेवी वर्मा जैसे अनेकों रचनाकारों ने हिंदी को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाया। लेकिन आधुनिक पीढ़ी साहित्य से दूर होती जा रही है। उन्हें यह समझाना होगा कि हिंदी साहित्य में जीवन की गहराइयाँ, समाज की सच्चाइयाँ और मानवीय मूल्यों का अनमोल खजाना है। जब युवा पीढ़ी अपनी भाषा से जुड़ाव महसूस करेगी तभी हिंदी सचमुच हर पल जीने की भाषा बनेगी।
हिंदी का अभियान केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। यह हर नागरिक का दायित्व है। जब हम अपने घर में, अपने बच्चों से, अपने साथियों से हिंदी में बातचीत करेंगे,तब यह अभियान स्वतः मजबूत होगा। यदि हम स्वयं ही अंग्रेज़ी बोलने में गर्व और हिंदी बोलने में संकोच करेंगे तो यह भाषा कैसे फलेगी-फूलेगी? हमें अपनी मानसिकता बदलनी होगी और हिंदी को सम्मान देना होगा।
चुनौतियाँ निश्चित ही कम नहीं हैं। भारत में सैकड़ों भाषाएँ और बोलियाँ बोली जाती हैं। हर भाषा का अपना महत्व है और उसे सम्मान मिलना चाहिए। हिंदी को थोपने का नहीं, बल्कि जोड़ने का कार्य करना चाहिए। हिंदी एक संपर्क भाषा के रूप में पूरे देश को जोड़ सकती है,क्योंकि यह सबसे अधिक बोली और समझी जाने वाली भाषा है। लेकिन यह तभी संभव है जब हिंदी का स्वरूप लचीला और समावेशी हो।
हिंदी के प्रचार-प्रसार में प्रौद्योगिकी का भी अहम योगदान हो सकता है। मोबाइल ऐप्स,ऑनलाइन शिक्षा प्लेटफॉर्म,अनुवाद सॉफ्टवेयर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हिंदी के प्रसार में क्रांति ला सकते हैं। हिंदी में शोध पत्र, पत्रिकाएँ और अंतरराष्ट्रीय स्तर की किताबें प्रकाशित की जानी चाहिए। यदि हिंदी को ज्ञान और रोजगार से जोड़ा जाएगा तो इसका अभियान स्वतः जीवन का हिस्सा बन जाएगा। आज की पीढ़ी को यह संदेश देना होगा कि हिंदी पिछड़ेपन की भाषा नहीं है, बल्कि यह उन्नति और आत्मनिर्भरता की भाषा है। हमें यह धारणा तोड़नी होगी कि सफलता केवल अंग्रेज़ी माध्यम से ही मिलती है। सफलता का आधार मेहनत, ज्ञान और आत्मविश्वास है, और यह अपनी मातृभाषा में भी उतनी ही दृढ़ता से हासिल किया जा सकता है। इसलिए हिंदी दिवस को सिर्फ़ एक प्रतीक न मानें। इसे एक प्रेरणा के रूप में लें कि हिंदी हर दिन, हर पल हमारी पहचान का हिस्सा बनी रहे। हमें अपने बच्चों को यह सिखाना होगा कि हिंदी केवल घर की भाषा नहीं, बल्कि ज्ञान और प्रगति की भी भाषा है। हमें यह वातावरण बनाना होगा कि हिंदी में पढ़ना, लिखना और संवाद करना गर्व की बात हो। जब हिंदी का अभियान किसी एक दिवस तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि समाज के हर क्षेत्र में रच-बस जाएगा,तभी यह भाषा सचमुच हिंदुस्तान की आत्मा बन पाएगी।

Zen Z आंदोलन ने पलटी नेपाल की सत्ता

केशी गुप्ता
द्वारका,नई दिल्ली

इन दोनों देश दुनिया में नेपाल में चल रहे प्रतिरोध/आंदोलन ने सुर्खियां बटोर रखी है। इस आंदोलन को Zen Z आंदोलन का नाम दिया गया है। आखिर क्यों हो रहा है नेपाल में आंदोलन? जिसने नेपाल की सियासी सता को पलट दिया है। तथ्यों पर आधारित नेपाल में शुरू हुआ या आंदोलन सियासी करप्शन के विरुद्ध में भड़का । ऐसा कहां जा रहा है कि सरकार द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर बैन लगाने को लेकर वहां के युवा सड़कों पर उतर आए। परंतु वहां की अवाम का कभी ध्यान नहीं दिया। तथ्यों पर आधारित इस आंदोलन के चलते अब तक 22 लोगों की जान भी गई है। नेपाल के प्रधानमंत्री के पी शर्मा सहित उनके अनेक सहकर्मियों द्वारा इस्तीफा दे दिया गया है। जगह-जगह पर आगजनी की घटनाएं सामने आ रही है। प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति भवन, संसद भवन तथा अनेकों सरकारी इमारत को जलाकर राख कर दिया है। लूटपाट के मामले भी सामने आ रहे हैं। अनेकों कैदी जेल से फरार हो गए। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बुधवार को नेपाल में कर्फ़्यू

कहना है कि नेपाल की सरकार ने यह प्रतिबंध जनता की आवाज़ को दबाने और उनके अधिकारों का हनन करने की मंशा से लगाया । नेपाल की अवाम का कहना है कि सरकार द्वारा जनता के हित में कभी कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है । जिस वजह से नेपाल की जनता को अपना देश छोड़कर दूसरे देशों में नौकरी जीवन निर्वाह के लिए जाना पड़ता है। युवा पीढ़ी में इस बात को लेकर अत्यधिक रोष है। उनका मानना है कि देश के प्रतिनिधियों ने देश के विकास की ओर घोषित कर दिया गया है तथा वहां की बागडोर सेना ने संभाल ली है। काठमांडू एयरपोर्ट को बंद कर दिया गया है। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए भारत नेपाल की स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। श्रीलंका ,बांग्लादेश और अब नेपाल का सता पलट इस बात को साबित करता है कि यदि सरकारों के विरुद्ध आवाम सड़कों पर उतर आए तो उसे रोकना काबू पाना संभव नहीं हो पाता। देश की जनता प्रतिनिधियों का निर्वाचन देश के विकास के लिए ही करती है।

भौतिकी से पहले,गणित था:मानव इतिहास के माध्यम से यात्रा

विजय गर्ग
मलोट,पंजाब

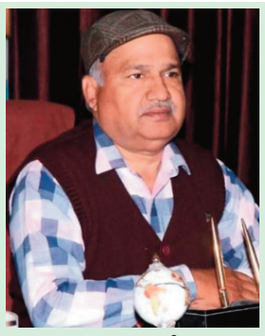

भौतिकी होने से पहले,गणित था। यह कथन सटीक है। गणित एक मौलिक भाषा और उपकरण है जिसे हमारे आसपास की दुनिया का वर्णन और समझने के लिए विकसित किया गया था। इसका इतिहास मानव सभ्यता में बहुत पीछे है,अध्ययन के एक अलग क्षेत्र के रूप में भौतिकी की औपचारिक स्थापना से पहले। संख्याओं का डॉन- प्री-फिजिक्स गणित प्रारंभिक मनुष्यों ने वैज्ञानिक क्रांति से बहुत पहले व्यावहारिक उद्देश्यों के लिए गणितीय अवधारणाओं का उपयोग किया। गिनती और बुनियादी अंकगणित के साक्ष्य प्रागैतिहासिक कलाकृतियों में पाए जा सकते हैं,जैसे कि टैली स्टिक। इनका उपयोग पशुधन,चंद्र चक्र या व्यापार वस्तुओं जैसी चीजों पर नज़र रखने के लिए किया जाता था। प्राचीन सभ्यताएँ मेसोपोटामिया,मिस्र और सिंधु घाटी में सभ्यताओं ने व्यावहारिक अनुप्रयोगों के लिए परिष्कृत गणितीय प्रणालियाँ विकसित कीं। मेसोपोटामियंस ने एक आधार-60 अंक प्रणाली का उपयोग किया (जिसे हम आज भी अपने समय और कोणों के माप में देखते हैं),और मिस्रियों ने भूमि सर्वेक्षण और बड़े पैमाने पर पिरामिड के निर्माण के लिए ज्यामिति विकसित की। गणित के ये शुरुआती उपयोग भौतिकी के औपचारिक अध्ययन का हिस्सा नहीं थे,लेकिन इन समाजों के विकास के लिए आवश्यक थे। यूनानी व्यावहारिकता से लेकर दर्शन तक प्राचीन यूनानियों ने गणित को विशुद्ध रूप से व्यावहारिक उपकरण से दार्शनिक जांच के क्षेत्र में ऊंचा किया। यूक्लिड के तत्व इस अवधि का एक आधारशिला है, जो ज्यामिति के लिए एक कठोर, स्वयंसिद्ध दृष्टिकोण स्थापित करता है। जबकि अरस्तू और आर्किमिडीज जैसे ग्रीक विचारकों ने अध्ययन किया कि अब हम भौतिकी को क्या कहते हैं, उनका काम अक्सर एक व्यापक दार्शनिक और गणितीय संदर्भ के भीतर तैयार किया गया था,न कि एक अलग, प्रयोगात्मक विज्ञान के रूप में। लीवर और हाइड्रोस्टैटिक्स पर उनका काम ज्यामितीय सिद्धांतों में गहराई से निहित था। भौतिकी का जन्म गणित और प्रयोग को एकजुट करना दर्शन और शुद्ध गणित से भौतिकी का सही पृथक्करण वैज्ञानिक क्रांति के दौरान शुरू हुआ।

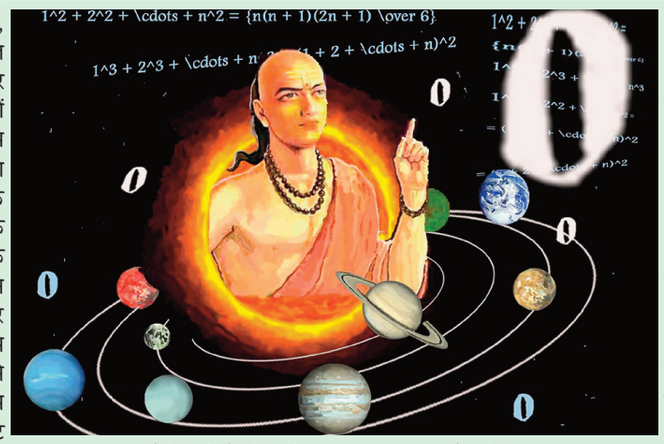

गैलीलियो गैलीली को अक्सर आधुनिक भौतिकी का पिता÷ माना जाता है क्योंकि वह अनुभवजन्य अवलोकन और प्रयोग के साथ गणितीय मॉडलों को व्यवस्थित रूप से संयोजित करने वाले पहले लोगों में से एक थे। उन्होंने गति का वर्णन करने के लिए गणित का उपयोग किया, अरस्तू परंपरा के वर्णनात्मक, गैर-गणितीय दृष्टिकोण से एक कट्टरपंथी प्रस्थान। आइजैक न्यूटन ने इस संघ को गति और सार्वभौमिक गुरुत्वाकर्षण के अपने नियमों के साथ एक नए स्तर पर ले लिया। यहां तक कि उन्हें अपने भौतिक सिद्धांतों को पूरी तरह से व्यक्त करने के लिए नए गणितीय उपकरणों का आविष्कार करना पड़ा। संक्षेप में,गणित ने भौतिकी और भौतिकी के लिए भाषा और रूपरेखा प्रदान की,बदले में, नई गणितीय अवधारणाओं के विकास को प्रेरित किया। जबकि गणित भौतिकी से बहुत पहले अस्तित्व में था,यह भौतिक दुनिया के लिए परिष्कृत गणित का अनुप्रयोग था जिसने भौतिकी के विज्ञान को जन्म दिया जैसा कि हम आज जानते हैं।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

15 SEPTEMBER 2025 AMBIKAPUR GG NEWS PAPER_Layout 2 9/14/2025 11:33 PM Page 3

वृद्धा से लूट,पुलिस बनकर चार बदमाशों ने उड़ाए 4 लाख के जेवर

-संवाददाता-
अंबिकापुर,14 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

शहर में लूट की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा मामला रविवार सुबह का है, जब चोपड़ापारा क्षेत्र में मॉर्निंग वॉक पर निकली 70 वर्षीय वृद्धा से चार अज्ञात बदमाशों ने लाखों के जेवर लूट लिए। खुद को पुलिसकर्मी बताकर बदमाशों ने महिला को डरा-धमका कर सोने की चेन और दोनों हाथों के कंगन उतरवा लिए। इसके बदले नकली कंगन पकड़ा कर वे फरार हो गए। वृद्धा से लूटे गए जेवरों की कीमत लगभग 4 लाख रुपए बताई जा रही है। घटना के बाद कोतवाली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शहर के अलग-अलग हिस्सों में पुलिस चेकिंग अभियान चला रही है। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। पुलिस का दावा है कि आरोपियों की पहचान जल्द कर ली जाएगी और गिरफ्तारी भी होगी।

ऐसे दिया वारदात को अंजाम

जानकारी के अनुसार, पीड़िता पानो देवी पति स्व. योगेन्द्र मंडल (उम्र 70 वर्ष) चोपड़ापारा की निवासी हैं। रविवार सुबह वे रोज की तरह मॉर्निंग वॉक पर निकली थीं और वॉक के बाद अपनी सहेली के घर के पास बैठी थीं। इसी दौरान प्रतापपुर चौक की ओर से दो बाइक में सवार चार युवक वहां पहुंचे। उन्होंने खुद को पुलिसवाले बताते हुए वृद्धा को पास बुलाया। बदमाशों ने महिला से कहा कि शहर में लगातार लूट की घटनाएं हो रही हैं, और आप इतनी मात्रा में सोना पहनकर अकेली बाहर घूम रही हैं। उन्होंने कहा कि घर जाकर जेवर उतार लीजिए, वरना खतरा हो सकता है। वृद्धा ने जवाब दिया कि उसका घर पास ही है, वहीं जाकर जेवर उतार देगी। लेकिन युवकों ने बहला-फुसलाकर गले की चेन और हाथों के कंगन उतरवा लिए और महिला के हाथ में देकर भरोसा दिलाया कि वे उसे सुरक्षित रख रहे हैं। इसके बाद एक बदमाश ने महिला के आंचल में कंगन बांध दिए और तेजी से मौके से फरार हो गए।

नकली कंगन देकर फरार हुए बदमाश

महिला को लगा कि उसके असली जेवर सुरक्षित उसके आंचल में बांधे गए हैं। लेकिन बदमाशों के जाने के बाद जब उसने आंचल खोलकर देखा तो वहां नकली कंगन थे और चेन भी गायब थी। महिला तुरंत घर पहुंची और परिजनों को पूरी घटना बताई। परिजनों ने तत्काल कोतवाली थाना पहुंचकर मामला दर्ज कराया।

गिरोह होने की आशंका

पुलिस को शक है कि यह किसी संगठित गिरोह की करतूत है,जो वृद्ध महिलाओं को निशाना बना रहा है। बदमाश पहले से नकली कंगन लेकर आए थे और पूरी योजना बनाकर वारदात को अंजाम दिया गया। वृद्धा की उम्र और अकेले होने का फायदा उठाकर बदमाशों ने बिना किसी शोर-शराबे के लूट को अंजाम दिया।

पेंशनर्स समाज द्वारा आयोजित स्वास्थ्य शिविर में 100 लोगों की हुई जांच

-संवाददाता-
अंबिकापुर,14 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ पेंशनर्स समाज, जिला सरगुजा ईकाई द्वारा 13 सितंबर को स्थानीय सियान सदन भवन में एक दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 10 बजे हुआ,जो सायं 4 बजे तक चला। शिविर में प्रमुख अतिथि के रूप में महापौर मंजूषा भगत उपस्थित रहीं, जबकि अध्यक्षता हरमिंदर सिंह टिन्नी ने की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि पूर्व पार्षद करताराम गुप्ता, पार्षद मनोज गुप्ता, संरक्षिका वंदना दत्ता एवं संयोजिका संध्या सिंह उपस्थित रहे। अध्यक्ष टिन्नी ने कहा कि सेवा का कार्य किसी उम्र का मोहताज नहीं है, यह शिविर इसका उत्तम उदाहरण है। महापौर ने आयोजन की सराहना करते हुए पेंशनर्स की समस्याओं के निराकरण में हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।

पेंशनर्स समाज के अध्यक्ष हरिशंकर सिंह ने संस्था द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। शिविर में चिकित्सकों की टीम ने न्यूरो, हड्डी, लेप्रोस्कोपिक सर्जरी,मेडिसिन और स्त्री रोग से संबंधित मरीजों की जांच की। करीब 100 लोगों ने शिविर का लाभ उठाया। कार्यक्रम के सफल संचालन में सचिव त्रिलोचन यादव,वरिष्ठ उपाध्यक्ष जयप्रकाश चौबे एवं अन्य सदस्यों का योगदान सराहनीय रहा। संचालन मीना वर्मा ने किया तथा आभार प्रदर्शन वंदना दत्ता ने किया।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 57 लाख के मुआवजे सहित कई प्रकरणों का हुआ निराकरण

-संवाददाता-
अंबिकापुर,14 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सरगुजा केएल चरयाणी के मार्गदर्शन में दिनांक 13 सितम्बर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। यह लोक अदालत सरगुजा जिले के सभी न्यायालयों में एक साथ संपन्न हुई।

इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय अंबिकापुर एवं सीतापुर न्यायालय में कुल लगभग 3,500 लंबित प्रकरणों का निराकरण किया गया। राजस्व न्यायालयों में 13,316 प्रकरणों का समाधान किया गया, वहीं किशोर न्याय बोर्ड के 95 तथा परिवार न्यायालय के 25 प्रकरण आपसी सहमति से निपटाए गए। इसके अतिरिक्त लाखों की संख्या में प्री-लिटिगेशन मामलों का समाधान भी हुआ। इस लोक अदालत में विशेष रूप से एक ही परिवार से जुड़े पांच मोटर दुर्घटना दावा प्रकरणों का निराकरण किया गया, जिसमें एक गंभीर सड़क दुर्घटना में पांच लोगों की मृत्यु हो गई थी। यह हादसा दिनांक 2 फरवरी 2025 को उत्तरप्रदेश के सोनभद्र जिले में हुआ था। पीड़ित परिवार द्वारा मोटर यान अधिनियम की धारा 166 के तहत दावा प्रस्तुत किया गया था। 13 सितम्बर को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में इन सभी मामलों में बीमा कंपनी न्यू इंडिया इंश्योरेंस के साथ कुल 57 लाख रुपये में आपसी राजीनामा हुआ। पांचों प्रकरणों का केवल पांच माह की अवधि में समाधान संभव हो सका, जिससे पीड़ित पक्षकारों में संतोष देखा गया।

स्वतंत्रता दिवस पर सेवा किटी समूह द्वारा निबंध प्रतियोगिता एवं पुरस्कार वितरण

-संवाददाता-
अंबिकापुर,14 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सेवा किटी समूह द्वारा स्वतंत्रता के पश्चात अंतरिक्ष में भारत एवं स्वतंत्र भारत की उपलब्धियां एवं अपेक्षाएं विषयों पर निबंध प्रतियोगिता एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन अलंकार ग्रीन्स में किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ साहित्यकार विजय गुप्त एवं प्राचार्य डॉ. आरएल मिश्रा मुख्य अतिथि रहे। जबकि डॉ. पुष्पा सोनी,संतोष पांडे,नीलिमा गोयल और कुंजबाला जायसवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। सभी अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छों से किया गया। कार्यक्रम की संयोजिका वंदना दत्ता ने सेवा समूह की 2019 से चल रही विभिन्न सामाजिक गतिविधियों की जानकारी दी तथा बताया कि यह पहली बार है जब स्वतंत्रता दिवस पर बच्चों के लिए निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई, ताकि विद्यार्थियों के विचारों को मंच मिल सके। विजय गुप्त ने कहा कि इस प्रकार का आयोजन महिलाओं द्वारा किया जाना अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने बच्चों को लेखन कला के बारे में मार्गदर्शन दिया और देशभक्ति भावना को प्रोत्साहित किया। डॉ. आरएल मिश्रा ने समूह की सेवाओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों में राष्ट्रभक्ति की भावना विकसित होती है और इन्हें लगातार जारी रखा जाना चाहिए। डॉ. पुष्पा सोनी ने बच्चों को हिंदी भाषा के प्रति जागरूक रहने और नियमित समाचार पत्र पढ़ने की सलाह दी। इस आयोजन में होली क्रॉस,कन्या शाला,विक्टोरिया पब्लिक,ओरिएंटल,साईंबाबा बोर्डिंग, आत्मानंद इंग्लिश स्कूल,पीजी कॉलेज, संत हरकेवल दास महाविद्यालय, आदि संस्थानों के लगभग 100 विद्यार्थियों ने भाग लिया। आयोजन की प्रभारी दीपमाला सिंह और सुनीता दास रहीं। कार्यक्रम का संचालन सुनीता दास ने किया। तीज उत्सव की ऑनलाइन प्रतियोगिता में रश्मि गुप्ता को प्रथम, सत्या दुबे को द्वितीय और स्मिता तिवारी को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। निबंध प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को ट्रॉफी, प्रमाण पत्र और नगद पुरस्कार दिए गए। कार्यक्रम को सफल बनाने में बोनी डे, वर्षा गुहा,मधु चौधरी, श्रद्धा खेरपांडे,आंचल पांडे,पूनम जायसवाल,मिलन शर्मा और अनिता शुक्ला का सराहनीय योगदान रहा। आभार प्रदर्शन मधु चौधरी ने किया।

गणपति स्थापना समिति:जागृति नव युवक मंडल ने जीता प्रथम पुरस्कार

-संवाददाता-
अंबिकापुर,14 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

बाल गंगाधर तिलक गणपति स्थापना समिति,अंबिकापुर द्वारा प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी भगवान गणेश की भव्य स्थापना, शोभायात्रा एवं शांतिपूर्ण विसर्जन के उपरांत चयनित झांकियों को पुरस्कृत करने हेतु स्थानीय सर्किट हाउस में भव्य पुरस्कार वितरण एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। पुरस्कार वितरण में जूनियर वर्ग से प्रथम पुरस्कार 11 हजार रुपए नकद गुदरी के राजा समिति को, द्वितीय पुरस्कार 51 सौ मायापुर युवा सेवा समिति तथा तृतीय पुरस्कार 21 सौ विघ्नहर्ता सेवा समिति को दिया गया। सीनियर वर्ग में प्रथम पुरस्कार 31 हजार जागृति नवयुवक मंडल को,द्वितीय पुरस्कार 15 हजार गणेश पूजा सेवा समिति चंबोथी तालाब तथा तृतीय पुरस्कार 11 हजार सदर सेवा समिति सदर रोड को दिया गया। सभी विजेताओं को नकद राशि के साथ स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समिति के संरक्षक भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि अंबिकापुर में गणेशोत्सव की परंपरा केवल धार्मिक आस्था का ही नहीं बल्कि सामाजिक एकता, भाईचारे और सांस्कृतिक समृद्धि का प्रतीक है। हाथी पखाना स्थित गणपति धाम की महिमा इतनी अद्भुत है कि उसके प्रभाव से पूरे शहर में गणपति प्रतिमाओं की स्थापना भव्य रूप से होती है। शोभायात्राओं में जिस प्रकार बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी वर्ग सम्मिलित होते हैं, वह समाज की एकता और अनुशासन का प्रतीक है। इस बार भी जिस शांतिपूर्ण और हर्षोल्लास के साथ विसर्जन सम्पन्न हुआ, वह अंबिकापुर की विशिष्ट पहचान है। मैं विजेता समितियों सहित सभी प्रतिभागियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं तथा उन सभी कार्यकर्ताओं और समिति के सदस्यों का आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने इस आयोजन को सफल बनाने में अपना योगदान दिया। कार्यक्रम का संचालन अंशुल श्रीवास्तव ने किया। समारोह में प्रमुख रूप से समिति के संरक्षक नीलेश सिंह, मनीष सिंह, अध्यक्ष शैलेश सिंह, सोमनाथ सिंह, जितेंद्र सोनी, मनोज कंसारी, वीनू जयसवाल, आलोक सिंह, रूपेश दुबे, संतोष दास, विकाश पांडे, मधु अंटी, जन्मेजय मिश्रा, सुनीत मिश्रा, विनोद हर्ष, संतोष बिहाड़े, अभिषेक शर्मा, दीपक सिंह तोमर, निरंजन राय, शरद सिन्हा, अनुराग शुक्ला, अजय सिंह, रमन सिंह, संजय त्रिपाठी, अभिषेक श्रीवास्तव, अमित अग्रवाल, सुशील गोयल, शानू कश्यप, हैप्पी सिंह, निशांत सिंह, अविनाश मंडल, उत्कर्ष पाठक सहित बड़ी संख्या में समिति पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

अंडर-16 क्रिकेट ट्रायल्स संपन्न,49 खिलाड़ियों ने दिखाया दम

-संवाददाता-
अंबिकापुर,14 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

गांधी स्टेडियम, अंबिकापुर में रविवार को अंडर-16 क्रिकेट ट्रायल्स का आयोजन उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। सरगुजा, सूरजपुर और बलरामपुर जिलों से आए कुल 49 युवा क्रिकेटरों ने इन ट्रायल्स में भाग लिया। सुबह 10 बजे शुरू हुए इस आयोजन में खिलाड़ियों ने अपनी बल्लेबाजी,गेंदबाजी और फिटनेस कौशल का प्रदर्शन किया। चयन प्रक्रिया पूरी तरह से प्रदर्शन और फिटनेस आधारित रही। चयनकर्ताओं ने स्पष्ट किया कि अंतिम टीम में स्थान उन्हीं खिलाड़ियों को मिलेगा, जो सभी मानकों पर खरे उतरेंगे। अगले कुछ दिनों में 15 खिलाड़ियों की अंतिम सूची घोषित की जाएगी, जो जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। सरगुजा क्रिकेट संघ के अध्यक्ष आदितेश्वर शरण सिंह देव ने कहा, ÷हमारा उद्देश्य यही है कि मेहनती खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का सही मंच मिले। हमें उम्मीद है कि चयनित खिलाड़ी भविष्य में जिले और राज्य का नाम रोशन करेंगे। संघ के उपाध्यक्ष अभय त्रिपाठी ने बताया कि खिलाड़ियों में इस बार गजब का उत्साह देखने को मिला। हर खिलाड़ी ने पूरी ऊर्जा से प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि चयन प्रक्रिया निष्पक्ष और फिटनेस केंद्रित रखी गई है। आगामी दिनों में एक विशेष कैंप का आयोजन किया जाएगा,जिसमें खिलाड़ियों के बीच प्रतिस्पर्धात्मक मैच कराए जाएंगे और उसी के आधार पर अंतिम चयन किया जाएगा। संघ के सचिव विनीत विशाल जायसवाल ने कहा कि चयन में कोई लापरवाही नहीं बरती जाएगी। बाहर प्रशिक्षण लेने वाले खिलाड़ियों के लिए भी अंबिकापुर में आयोजित फिटनेस कैंप में भाग लेना अनिवार्य होगा। ट्रायल्स के सफल संचालन में कोच अलंकार तिवारी, मृगांक साहू और ज्ञानेश्वर सिंह की अहम भूमिका रही। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ की ओर से पर्यवेक्षक जितेंद्र कुमार टांक उपस्थित रहे। उन्होंने सरगुजा क्षेत्र के खिलाड़ियों की प्रतिभा और जोश की सराहना करते हुए कहा कि इन्हें समय-समय पर सही मार्गदर्शन मिलने की आवश्यकता है। इस अवसर पर चयन समिति से संजय सिंह, अशोक सिंह और गोपाल सूत्रधर भी उपस्थित रहे। कोच अलंकार तिवारी ने बताया कि सभी अंडर-14 खिलाड़ियों का बोन टेस्ट सोमवार को सुबह 11.30 बजे अंबिकापुर के गौरव पथ स्थित संजीवनी हॉस्पिटल में होगा, जिसमें सभी खिलाड़ियों की उपस्थिति अनिवार्य है।

आरक्षक की पत्नी ने की आत्महत्या,जांच में जुटी पुलिस

-संवाददाता-
अंबिकापुर,14 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के पुलिस लाइन स्थित आवासीय कॉलोनी में पदस्थ आरक्षक की पत्नी शनिवार की रात फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह कुछ बीमारी से पीड़ित थी। पुलिस मामले में मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी अनुसार,शनिवार रात शालेन भगत भोजन के बाद अपनी डेढ़ वर्षीय बच्ची को लेकर अलग कमरे में सोने चली गई। बच्ची को सर्दी-खांसी थी,इसलिए बिना पंखा चलाए वह बच्ची के साथ सो रही थी, ताकि पति को तकलीफ न हो। आरक्षक संजीव भगत दूसरे कमरे में सोए थे। रात लगभग 3.30 बजे बच्ची के रोने की आवाज सुनकर संजीव जब कमरे में पहुंचे तो देखा

कि उसकी पत्नी फंदे से लटकी हुई थी। उसने तुरंत घटना की सूचना पुलिस को दी। बताया जा रहा है कि शालेन भगत पिछले कुछ समय से गंभीर बीमारी से परेशान थीं और इलाज के लिए रविवार को बाहर जाना था,लेकिन इससे पहले ही वह आत्महत्या कर ली। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पीजी कॉलेज मैदान में 85 फीट के विशाल रावण के पुतले का होगा दहन

प्रभु श्री रामकी विशाल शोभा यात्रा,महाआरती व भव्य रावण दहन की तैयारियां शुरू

-संवाददाता-
अंबिकापुर,14 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

सरगुजा सेवा समिति तथा वरिष्ठ नागरिकों की एक महत्वपूर्ण बैठक पीजी कालेज मैदान में आयोजित की गई। जिसमें इस वर्ष प्रभु श्रीराम की विशाल शोभा यात्रा, महाआरती व भव्य रावण दहन की तैयारियों की जिम्मेदारी समिति के सदस्यों को सौपा गया। बैठक में समिति के महासचिव संजय अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष प्रभु श्रीराम की महाआरती व राज तिलक का भी आयोजन समिति द्वारा किया जाएगा। इस बार की भव्य आतिशबाजी आन्ध्र प्रदेश के काकीनाड़ा से मंगवाई जा है। बैठक में प्रभु श्रीराम की शोभा यात्रा को भी भव्य बनाने के बारे में चर्चा हुई।

उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि विशाल रावण दहन कार्यक्रम में रावण का पुतला इस वर्ष 85 फीट का होगा, कुम्भकरण 70 फीट का तथा मेघनाथ का पुतला 50 फीट का होगा। इसके साथ-साथ सरगुजा संभाग स्तरीय रामचरित मानस गायन प्रतियोगिता 26 एवं 27 सितम्बर को स्थानीय शिशु मंदिर भवन में किया जाएगा

जिसमें प्रथम दिवस पुरुष मानस गायन प्रतियोगिता, द्वितीय दिवस महिला मानस गायन प्रतियोगिता का आयोजन होगा। इसके अतिरिक्त 21 सितंबर को सरगुजा संभाग लोक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा जिसमें 20 शैला नृत्य टीमें और 10 सुगा नृत्य टीमें प्रतियोगिता में भाग लेंगी। तत्पश्चात 2 अक्टूबर को प्रभु श्रीराम की विशाल शोभा यात्रा, भव्य रावण दहन, अद्भूत आतिशबाजी एवं महाआरती का आयोजन किया जाएगा। आज की बैठक में सरगुजा सेवा समिति की अध्यक्ष श्रीमती रजनी रविशंकर त्रिपाठी, नागरिक समिति के अध्यक्ष अजय अग्रवाल, अखिलेश सोनी, आलोक दुबे, शफी अहमद,ललन प्रताप सिंह,जेपी श्रीवास्तव,करताराम गुप्ता,महासचिव संजय अग्रवाल,जयशंकर त्रिपाठी,प्रयाग राज साहू, महेंद्र अग्रवाल,महेन्द्र विश्वकर्मा,नरेन्द्र सिंह टूटेजा,विकास पाण्डेय,अंशुमाल गर्ग,हैप्पी सिंह, मधू चौदह,प्रियंका चौबे,विना दुबे,बबली नेताम, नेहा सोनवानी,पूनम सिंह,अनुराग शुक्ला,राहुल त्रिपाठी,फूलेश्वरी सिंह,प्रिया सिंह,संजीव वर्मा, अमोघ कश्यप,अमन गुप्ता,प्रशांत,मनोज प्रसाद, रवि गुप्ता,शानू कश्यप,प्रितेश दुबे,रविकांत उरांव, प्रियंका सिंह,सोलू सिंह तथा अमन कालड़ा सहित गणमान्य नागरिकगण उपस्थित थे।

CMYK

15 SEPTEMBER 2025 AMBIKAPUR GG NEWS PAPER_Layout 2 9/14/2025 11:33 PM Page 4

शिक्षक को परेशान व अपमानित करने वाले अधिकारी शिक्षक समारोह के दिन ही हुए निलंबित!

मंत्री की उपस्थिति में मंच पर आसीन थे सरगुजा संभाग के पूर्व शिक्षकों को परेशान करने वाले शिक्षा अधिकारी और इस मंच से उतरते समय उन तक पहुंच गया उनका निलंबन आदेश

प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को अपने भ्रष्टाचार से दूषित करने वाले संयुक्त संचालक को किया गया निलंबित

- शिक्षा मंत्री भी भ्रष्ट अधिकारी के प्रभाव में नहीं है और उन्हीं के विभाग का कार्यवाही आदेश शिक्षा मंत्री व सरकार की ख्याति बढ़ा रहा है...
- इस अधिकारी पर हुए कार्यवाही को लेकर पूरा शिक्षक समुदाय आखिर क्यों खुश है?
- ऐसी कार्रवाई पहली कार्रवाई मानी जा रही है जो उस विभाग के मंत्री के मौजूदगी में और कार्यक्रम के मंच छोड़ने से पहले किसी अधिकारी पर हो गई हो...
- सरगुजा संयुक्त संचालक रहते हुए हेमंत उपाध्याय ने शिक्षकों से पदस्थापना के नाम पर उगाही का लगा था आरोप...
- शिक्षा व्यवस्था को दीमक बनकर व्यवस्था को खोखला करने वाले ऐसे अधिकारियों पर लगातार कार्यवाही मांग अब बढ़ी...
- पदोन्नति पदस्थापना में पैसे के लेन-देन के लिए हेमंत उपाध्याय ने शिक्षक नेताओं को भी बनाया था अपना दलाल...

-न्यूज़ डेस्क-

अम्बिकापुर,14 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)। शिक्षकों का अपमान करना कभी भी ठीक नहीं होता है लेकिन सरगुजा संभाग में एक ऐसे अधिकारी आए थे जिन्होंने शिक्षकों का अपमान करना उन्हें परेशान करना अपना कर्तव्य मान लिया था, वह अधिकारी कोई और नहीं सरगुजा के पूर्व संयुक्त संचालक शिक्षा अंबिकापुर हेमंत उपाध्याय थे जिन्होंने शिक्षकों को किस कदर परेशान किया था यह विषय किसी से छुपा नहीं था यहां तक की खबर भी लगातार प्रकाशित हो रही थी,भ्रष्टाचार के बड़े आरोप लगे हुए थे, संभाग के शिक्षक उन्हें पानी पी पीकर कोस रहे थे, पर कुछ शिक्षक संगठन के नेता उनके करीबी बने हुए थे, पर अधिकारी का भी बुरा दिन आएगा और उसे अपनी करनी का फल मिलेगा वह दंडित किया जाएगा ऐसा उन्होंने नहीं सोचा था, क्योंकि वह अधिकारी इतना भ्रष्ट था कि उसने भ्रष्टाचार के दम पर अपना बहुत बड़ा नाम बना लिया था पर ऐसे दिन उस पर कार्यवाही होगी यह उसने नहीं सोचा था, कार्यवाही का दिन भी वह दिन था जिस दिन शिक्षकों के लिए सम्मान समारोह आयोजित किया गया था दुर्ग शहर में और उस सम्मान समारोह में वर्तमान नए शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित थे सम्मान हो रहा था और सम्मान खत्म होने से पहले सरगुजा संभाग में हुए शिक्षकों के साथ गलत व्यवहार का परिणाम भी ढाई साल बाद हेमंत उपाध्याय पर कार्रवाई आदेश आते ही आ गया। दुर्ग जिले में शिक्षकों का सम्मान कार्यक्रम रखा गया था पर सबसे बड़ा सम्मान तो उस दिन सरगुजा संभाग के शिक्षकों को मिला जब उनको परेशान करने वाले प्रताड़ित करने वाले उनसे पैसा वसूलने वाले शिक्षा अधिकारी हेमंत उपाध्याय को अंबिकापुर के मामले में ही निलंबन आदेश जारी कर दिया गया,इधर वह मंत्री को खुश करने का प्रयास कर रहे थे और उधर मंच से नीचे उतरते ही उनका निलंबन आदेश उन तक पहुंच गया, और यह चर्चा इसलिए महत्वपूर्ण है की पहली बार ऐसा आदेश किसी सरकार में आया होगा जब कोई भ्रष्ट अधिकारी फिर से किसी मंत्री को खुश करने का प्रयास कर रहा हो और उसे कार्यवाही आदेश मिल जाए।

क्या संयुक्त संचालक सरगुजा ने शिक्षकों की संशोधित पदस्थापना सूची जारी कर भ्रष्टाचार को अंतिम रूप दे दिया?

Devendra Kishor Gupta
5h ·
हमारे नए शिक्षा मंत्री Gajendra Yadav ने बता दिया है कि वे किसी के दबाव में,किसी के प्रभाव में काम नहीं करने वाले! आज उन्होंने ढाई साल पुरानी फाइल खुलवाई और शिक्षक प्रमोशन घोटाला करने वाले, एक रसूखदार, ऊंची पहुंच का दंभ भरने वाले भ्रष्ट अफसर को सस्पेंड कर दिया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि शिक्षकों के साथ अन्याय करने वाले माफ नहीं किए जाएंगे।
मंत्री जी आपका तेवर ऐसे ही बना रहे👍
आदेश की कॉपी कमेंट बॉक्स में...

क्या जिस वीडियो के वायरल होने से सयुक्त संचालक की हुई थी फजीहत और खुली थी पदोन्नति की पोल,क्या उस पर पर्दा डालने 2 शिक्षकों पर हुई कार्यवाही?

मंच पर मुस्कुराहट से नहीं भांप पाये आगामी क्षणों को, तैयारी ऐसी थी कि लोग रह गए दंग

मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण सम्मान समारोह जिला दुर्ग में मंच पर उपस्थित शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव का सम्मान करते समय मुस्कुराते चेहरों के बीच निलंबित संयुक्त संचालक, आगामी चरणों में क्या होने वाला है इस बात को नहीं भांप पाये। शिक्षा विभाग और शिक्षा मंत्री की तैयारी ऐसी थी की जिन्होंने निलबन और प्रभार वाले आदेश को देखा,वे दंग रह गए। जहां एक ओर 12 तारीख को सम्मान समारोह के उपरांत तत्कालीन सयुक्त संचालक को निलबित करने का आदेश जारी किया गया, वहीं दूसरी ओर इस आदेश में श्री आर एल ठाकुर उप संचालक लोक शिक्षण संचालनालय को संभागीय संयुक्त संचालक सभाग दुर्ग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया। प्रभार सौंपने के कुछ ही क्षणों बाद इसी दिनाक को इनके द्वारा प्रभार ग्रहण भी किया गया और तत्काल ही इस आशय का आदेश आर एल ठाकुर द्वारा जारी किया गया कि मैंने दिनांक 12.9.2025 को संयुक्त संचालक शिक्षा संभाग दुर्ग छत्तीसगढ़ का पदभार ग्रहण कर लिया है, अतः इस कार्यालय को भेजे जाने वाले सभी शासकीय, अशासकीय एवं गोपनीय पत्र मेरे नाम से भेजी जावे। इसका सीधा तात्पर्य यह है कि शिक्षा विभाग और मंत्री महादय ने पूरी तैयारी कर ली थी।

स्कूल शिक्षा विभाग ने विभाग को कलकित करने वाले अधिकारी को दंडित करने का आदेश जारी

हेमंत उपाध्याय प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को कलंकित करने का काम कर चुके थे,इन्हीं का अनुसरण करके अन्य संभागों में भी सहायक शिक्षक से शिक्षक पद पर पदोन्नति प्रकिया में जमकर वसूली हुई थी और तब सभी दोषी भी पाए गए थे लेकिन तब सभी साक्ष्यों में छेड़छाड़ कर बच निकले थे या कार्यवाही को उन्होंने कुछ समय के लिए टाल लिया था। सहायक शिक्षक जिन्हे काफी लंबे अर्से बाद पदोन्नति मिल रही थी वहीं शिक्षक जिन्हे माध्यमिक शाला प्रधान पाठक बनाया जा रहा था लंबे अर्से बाद सभी तब एक तरह से ठगी का शिकार हुए थे जिनसे जमकर वसूली केवल पदस्थापना के नाम पर की गई थी और उनसे मुंह मांगी राशि ली गई थी,सरगुजा संभाग में तो खुला बाजार बन चुका था तब जब हेमंत उपाध्याय पदोन्नति में मुख्य प्रभारी थे जिन्होंने कुछ शिक्षक नेताओं को एजेंट बनाकर करोड़ों रुपए शिक्षकों से वसूल लिए थे। वैसे पाप का घड़ा जल्द भर जाता है जो भर गया और अब केवल पश्चाताप ही सहारा है क्योंकि स्कूल शिक्षा विभाग ने विभाग को कलंकित करने वाले अधिकारी को दंडित करने का आदेश जारी कर दिया।

क्या महिला शिक्षकों का सच में लगा हेमंत उपाध्याय को श्राप?

हेमंत उपाध्याय से शिक्षक किस कदर नाराज थे दु:खी थे और कहीं न कहीं प्रताड़ित थे आर्थिक रूप से इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि हेमंत उपाध्याय के निलंबन आदेश के जारी होते ही शिक्षकों का सोशल मीडिया में बधाई संदेश भेजा जाना शुरू हो गया, शिक्षकों ने कई तरह से अपने मन की भड़ास निकाली और कहीं न कहीं ऐसे अधिकारियों को कोसने का काम किया,ऐसा तब होता है जब कोई मन से दुखी होता है उसकी आत्मा तक ठेस पहुंचा होता है,कुछ शिक्षकों ने यह तक सोशल मीडिया में लिखा कि इन्हें महिला शिक्षकों का श्राप मिला है और अन्य कुछ अधिकारियों के नाम लिखकर कहा कि इनकी अगली बारी है,अब ऐसे सोशल मीडिया पोस्ट से समझा जा सकता है कि प्रताड़ना की हद क्या रही होगी कि शिक्षक सोशल मिडिया में लिखने मजबूर हैं अपनी भड़ास निकालने मजबूर हैं। वैसे क्या यह सही है कि उन्हें महिला शिक्षकों की बददुआ लगी? और वह निलंबित हुए, वैसे वह अपनी करनी की सजा पाए यही सत्य है लेकिन शिक्षकों की भड़ास निकलनी थी जो निकलती दिखी, वैसे शिक्षकों के अनुसार कुछ अन्य अधिकारियों को भी श्राप लगेगा।

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन | घटती घटना | एमसीबी-सरगुजा-समाचार | अम्बिकापुर, बुधवार 21 जून 2023 | 5
सरगुजा संयुक्त संचालक शिक्षा कार्यालय का भ्रष्टाचार,शिक्षक संघ विरोध में आने लगे सामने

शिक्षकों को अपमानित करने वाले परेशान प्रताड़ित करने वाले अधिकारी से क्या शिक्षकों का सम्मान करने का अधिकार छीना गया?

हेमंत उपाध्याय प्रदेश के शिक्षा विभाग का वह नाम बन चुका था जिसके सामने आते ही भ्रष्टाचार की बात विभाग में शुरू हो जाती थी,सरगुजा में करोड़ों का वसूली घोटाला शिक्षकों से किया गया ऐसा मामला था जो इनके अब तक के कार्यकाल के दोषपूर्ण कार्यप्रणाली को परिभाषित करता है। हेमंत उपाध्याय को लेकर बताया जाता है कि यह अधिकारी गुप्तचर आधारित नियंत्रण प्रणाली भी चलाता था और इसका उद्देश्य यह हुआ करता था कि गलत पाए जाने पर दंडित किए जाने की बजाए वसूली के लिए प्रायोजित निरीक्षण हुआ करता था और इसके लिए ही वह निरीक्षण पर पहुंचा करते थे। वैसे शिक्षकों के सम्मान कार्यक्रम में शामिल होने के तत्काल पश्चात हेमंत उपाध्याय निलंबित किए गए और अब क्या उन्हें भविष्य में ऐसे सम्मान कार्यक्रमों में हिस्सा लेने का मौका नहीं मिलने वाला। वैसे सरगुजा संभाग में शिक्षकों के बीच उत्साह का माहौल है और वह मानते हैं कि हेमंत उपाध्याय जैसे अधिकारियों के साथ यह कार्यवाही न्याय की कार्यवाही है, शिक्षक से वसूली का उद्देश्य लेकर उनका नियंत्रण कर रहा अधिकारी न विभाग के साथ न्याय कर सकता है न शिक्षकों के साथ न नौनिहालों के साथ,ऐसे अधिकारी शिक्षा व्यवस्था के लिए किसी दीमक से कम नहीं हैं ऐसा शिक्षकों का मानना है और ऐसे अधिकारी ही शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद करने अभियान छेड़े हुए हैं।

मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अंकलरण सम्मान समारोह दुर्ग के कार्यक्रम उपरांत निलंबित किए गए हेमंत उपाध्याय

हेमंत उपाध्याय को दुर्ग संभाग के संयुक्त संचालक शिक्षा रहते हुए निलंबित किया गया,वह हाल ही में हुए स्थानांतरण उपरांत संशोधन खेल के माध्यम से दुर्ग पहुंचे थे,उनके कार्यभार ग्रहण करने उपरांत ही नए शिक्षा मंत्री के मुख्य आतिथ्य में जिले में मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अंकलरण सम्मान समारोह आयोजित किया गया और जिसमे 15 शिक्षकों को सम्मानित किया गया, कार्यक्रम के समापन उपरांत ही हेमंत उपाध्याय का निलंबन आदेश जारी हो गया,कुल मिलाकर उन्हें शिक्षकों के सम्मान मंच से नीचे उतरते ही शिक्षा विभाग की महत्वपूर्ण कुर्सी से भी नीचे उतार दिया गया जिस पर बैठकर वह शिक्षा व्यवस्था को दीमक बनकर खोखला कर रहे थे।

ओवरलोड क्रशर गिट्टी के कारण ककना से कल्याणपुर पहुंच मार्ग हुआ जर्जर,जिम्मेदार कौन?

-संवाददाता-

राजपुर,14 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)। अंबिकापुर से बलरामपुर की ओर जाने वाली एनएच 343 सड़क बारिश पूर्व रिपेयर नहीं होने से एवं बारिश भर जिम्मेदार आला अधिकारियों के वजह ऐसी दुर्दशा हो गई। ककना से कल्याणपुर तक जाने वाली प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क। छत्तीसगढ़ में मानसून के सक्रिय होते ही जहां एक ओर ऊपर वाले ने गर्मी से राहत तो दी , लेकिन दूसरी ओर लगातार हो रही बारिश ने राष्ट्रीय राजमार्ग 343 की दुर्दशा उजागर करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है। अब तो इस मार्ग पर चलना जोखिमों से भर गया है।अंबिकापुर से पस्ता के तक खड्डे नुमा डबरी नजर आने लगे हैं, क्षेत्र के लोगों का कहना है कि यह सड़क अब गड्ढों में सड़क खोजने की स्थिति में पहुंच चुकी है। काफी जोर आजमाइश

और मशक्कत के बाद एनएच विभाग जागा भी था तो सिर्फ खानापूर्ति कर बरसात की तैयारी पूरी कर ली गई। यदि विभाग के द्वारा बारिश पूर्व सड़क किनारे लगे पेड़ कटवाने में जो समय जाया किया उस समय सड़के रिपेयर की जा सकती थी। अब जिस तरह सड़कों के बड़े बड़े गड्ढों पर मिट्टी और क्रेशर डस्ट और गिट्टी डाला जा रहा है वह तो शुरुआती बारिश में ही धूल गई।

25 हाथियों का दल कल से डेरा जमाए हुए हैं ग्राम चिलमाकला में एसडीओ एवं रेंजर जन चौपाल लगाकर ग्रामीणों को हाथियों से दूर रहने की दी गई समझाइश

-संवाददाता-

राजपुर,14 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)। जानकारी के अनुसार बलरामपुर जिले के राजपुर वन परिक्षेत्र के अंतर्गत चांची सर्किल के धंधापुर, चिलमाकला जंगल में करीब 25 हाथियों का दल बीते 3 दिनों से विचरण कर रहा है। जानकारी यह भी मिली है कि गोपालपुर सर्किल के दुप्पी-चौरा जंगल में झुंड से अलग होकर 1 हाथी विचरण कर रहा है। स्थिति को सम्हालने मौके पर पहुंचे एसडीओ, रेंजर वनकर्मियों के साथ जन चौपाल लगाकर ग्रामीणों को हाथियों से दूर रहने की हिदायत देते हुए कहा कि हाथियों के नजदीक ना जाएं। प्रतापपुर वन परिक्षेत्र से

आया है पच्चीस हाथियों का यह दल । विभाग के द्वारा यह जानकारी मिली है कि करीब 25 हाथियों का यह दल प्रतापपुर वन परिक्षेत्र से आकर चांची सर्किल के धंधापुर , चिलमाकला जंगल एवं गोपालपुर सर्किल के दुप्पी-चौरा जंगल में 1 हाथी विचरण कर रहा है। सूचना मिलने पर वन विभाग ने इसकी सूचना तत्काल डीएफओ आलोक कुमार बाजपेयी को दी। सूचना उपरांत मौके पर एसडीओ आरएसएल श्रीवास्तव व रेंजर महाजन लाल साहू वनकर्मियों के साथ पहुंचकर आसपास के गांव में जन चौपाल लगाकर ग्रामीणों को हाथियों से दूर रहने की समझाइश दी, एवं वन विभाग के द्वारा ग्रामीणों को पंपलेट प्रदान कर आसपास के प्रभावित गांव जामदोहर,रेवतपुर, बदौली, दलदलिया, दुप्पी,चौरा,आमाटिकरा, धमनीपानी, नरसिंगपुर, मरकाडांड़, गोपालपुर, करंवा, मुरका आदि गांवों में हाथी मित्र दल वाहन से लाउडस्पीकर से अनाउंस कराया जा रहा है। वर्तमान में करीब 25 हाथियों का दल धंधापुर के चिलमा जंगल व 1 हाथी दुप्पी-चौरा के जंगल मे विचरण कर रहा है। मौके पर रेंजर महाजन लाल साहू सहित वन विभाग के कर्मचारी उपस्थित है।

C M Y K

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन
घटती घटना
कोरिया-सूरजपुर-समाचार
अम्बिकापुर,सोमवार 15 सितम्बर 2025
5

4 माह से ट्रांसफार्मर खराब

विभागीय उदासीनता से ग्रामीण परेशान

किसानों को सिंचाई के लिए नहीं मिल रही बिजली

भूमि स्वामी ने अपने निजी भूमि पर ट्रांसफार्मर बदलने देने से किया मना

विभाग को ट्रांसफार्मर करना चाहिए अन्यत्र शिफ्ट, अधिकारियों ने नहीं की पहल

किसानों से तीन फेस बिजली सप्लाई के लिए रुपए उगाहने की भी शिकायत

-रवि सिंह-
कोरिया/पटना,14 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

ग्राम पंचायत छिंदिया के खास पारा और ग्राम पंचायत चिरगुड़ा के कोचिला पारा में विद्युत सप्लाई करने वाला ट्रांसफार्मर 4 माह से खराब पड़ा है। इस ट्रांसफार्मर से केवल एक फेस विद्युत सप्लाई हो रहा है, जिस कारण लो वोल्टेज और बिजली गुल होने से प्रभावित ग्रामीण अत्यधिक परेशान है। इसके अलावा संबंधित क्षेत्र के किसानों को पंप चलाने के लिए विद्युत की प्राप्ति नहीं हो पा रही है। इसकी शिकायत और नए ट्रांसफार्मर लगाने की मांग कई बार विद्युत कार्यालय पटना में मौखिक और लिखित रूप से की गई है, परंतु कई माह बीत जाने के बाद भी कोई उचित कार्यवाही अभी तक नहीं हुई है। विभागीय अधिकारियों की उदासीनता के कारण ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पहले विभागीय अधिकारियों द्वारा ट्रांसफार्मर न लग पाने का यह कारण बताया जा रहा था कि उचित क्षमता का ट्रांसफार्मर उपलब्ध नहीं है, वर्तमान में उचित क्षमता का ट्रांसफार्मर उपलब्ध हो गया है, बावजूद इसके ट्रांसफार्मर को बदला नहीं गया है। इसकी शिकायत सुशासन तिहार में भी की गई थी, और दो-चार दिनों के भीतर ट्रांसफार्मर बदलने का आश्वासन भी जिले के विधायक और शीर्ष अधिकारियों के समक्ष किया गया था।

भूमि स्वामी ने अपने निजी भूमि पर ट्रांसफार्मर बदलने देने से किया मना

जिस भूमि पर यह ट्रांसफार्मर विगत लगभग 40-50 वर्षों से स्थापित है, उसके भूमि स्वामी ने वर्तमान में खराब ट्रांसफार्मर को बदलने देने से विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट रूप से मना कर दिया। और भूमि स्वामी ने इसको इसके पूर्व सुशासन तिहार एवं अन्य माध्यमों से अपने घर के बाड़ी से ट्रांसफार्मर को अन्यंत्र हटाए जाने का आवेदन भी दिया था,परंतु उस पर कोई सुनवाई नहीं हुई, बल्कि भूमि स्वामी को उल्टे एक लाख रुपए से अधिक का खर्च ट्रांसफार्मर को शिफ्ट करने के लिए बता दिया गया। भूमि स्वामी का कहना है कि ट्रांसफार्मर के पास सुधार कार्य के बहाने अवांछित लोग गाहे बगाहे आते रहते हैं,और उन्हें सपरिवार असुरक्षित महसूस होता है। इसके अतिरिक्त भूमि स्वामी के अनुसार कई बार ट्रांसफार्मर की वजह से शार्टसर्किट होने पर उनके घर के समीप आगजनी की भी घटना हो चुकी है। सुशासन तिहार के दौरान भूमि स्वामी ने जिले के विधायक और कलेक्टर से अपनी व्यथा कही थी और उन्हें आश्वासन भी मिला था कि अति शीघ्र ट्रांसफार्मर को शिफ्ट कर दिया जाएगा। परंतु विभागीय अधिकारियों ने मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया। अब हालात यह है कि कई माह से ट्रांसफार्मर खराब होने के बाद भी भूमि स्वामी के इनकार करने की वजह से ग्रामीणों को कई प्रकार की दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, जबकि विभागीय अधिकारी चाहें तो ट्रांसफार्मर को पुराने स्थान के समीप ही सड़क किनारे स्थानांतरित किया जा सकता है।

विभाग को ट्रांसफार्मर करना चाहिए अन्यत्र शिफ्ट,अधिकारियों ने नहीं की पहल

जिस स्थान पर वर्तमान में ट्रांसफार्मर स्थापित है,वह स्थान मार्ग से थोड़ा अंदर है। और जिस भूमि पर यह स्थापित है, उस भूमि स्वामी के घर तरफ से होकर ट्रांसफार्मर तक जाना पड़ता है,जो कि अव्यावहारिक है। इस ट्रांसफार्मर को वहीं समीप ही सड़क किनारे स्थापित करने के लिए कई बार ग्रामीणों ने विभागीय अधिकारियों के समक्ष गुहार लगाया,परंतु अधिकारियों की उदासीनता से अब यह नौबत तक आ चुका है कि विभाग में ट्रांसफार्मर उपलब्ध होने के बाद भी खराब ट्रांसफार्मर को बदलने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि अधिकारी चाहें तो अल्प विभागीय खर्चे में ही ट्रांसफार्मर को सड़क किनारे आसानी से स्थानांतरित किया जा सकता है। जिससे भूमि स्वामी और ग्रामीणों के साथ-साथ विभाग के कर्मचारियों को भी राहत मिलेगी। ग्राम पंचायत छिंदिया के उप सरपंच ने जब विभाग के अधिकारियों से इस संबंध में बात की तो उन्होंने भूमि स्वामी को समझाने और सामंजस्य बैठाने के लिए कहा। जबकि ट्रांसफार्मर को शिफ्ट कराए जाने से सदैव के लिए इस समस्या का समाधान हो सकता है। यदि विभागीय अधिकारियों ने शीघ्र अतिशीघ्र इसके लिए पहल नहीं की तो प्रभावित ग्रामीणों के साथ विद्युत विभाग पटना का घेराव किया जाएगा।

ग्राम पंचायत छिंदिया के खासपारा में विद्युत सप्लाई वाला ट्रांसफार्मर एक माह से खराब

कई बार विद्युत कार्यालय पटना में शिकायत दर्ज करने के बाद भी कार्यवाही नहीं...

विद्युत कार्यालय पटना में मौखिक और लिखित शिकायत की गई है दर्ज...

-संवाददाता-
कोरिया/पटना,28 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

ग्राम पंचायत छिंदिया के खासपारा में सप्लाई करने वाला विद्युत ट्रांसफार्मर विगत एक माह से अधिक समय से खराब हो गया है, जिसमें केवल एक फेस विद्युत सप्लाई हो रही है। जिस कारण लो वोल्टेज और बिजली गुल होने की समस्या से ग्रामीण अत्यधिक परेशान हैं। इसकी शिकायत कई बार पटना स्थित विद्युत कार्यालय में मौखिक और लिखित रूप से की गई है, परंतु माह बीत जाने के बाद भी कोई उचित कार्यवाही नहीं हुई

ट्रांसफार्मर के खराब होने से विगत लाइट के गुल रहने से ग्रामीण भय के साए में अंधेरे में जीवन-यापन कर रहे हैं। इसके साथ ही ग्राम में कई लोगों के यहां स्थित गेहूं,चावल की चक्की, जो तीन फेस की लाइट के साथ संचालित होती है, विगत एक माह से अधिक समय से ट्रांसफार्मर खराब होने का कारण बंद पड़ी है। इस वजह से भी ग्रामीणों

प्रशासन मुस्तैद,मौके पर पहुंचे एसडीएम,तहसीलदार

भास्कर पारा खुली कोल खदान का ग्रामीणों ने किया विरोध,खदान के सामने बैठे विरोध पर

-ओंकार पाण्डेय-
सूरजपुर/भैयाथान,14 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

भैयाथान विकासखण्ड के भास्कर पारा खुली कोल खदान प्रबंधन पर उच्च घनत्व ब्लास्टिंग,सड़क पर वाहनों की पार्किंग और बगैर ग्राम सभा के खदान का संचालन का आरोप लगाकर ग्रामीणों ने भास्कर पारा खदान के समक्ष जमकर प्रदर्शन किया है। हालाँकि प्रदर्शन करने के लिए प्रशासन से पूर्व में कोई अनुमति नहीं ली गई थी। मामले की सूचना मिलते ही प्रशासन हरकत में आया और भैयाथान पुलिस बल मौके पर मुस्तैद रही. वहीं एस डी एम चांदनी कंवर और तहसीलदार शिवनारायण राठिया भी मौके पर पहुँच कर प्रदर्शनकारियों को समझाने की पूरी

कोशिश की। खबर लिखे जाने तक प्रदर्शनकारी प्रशासन की समझाईश को मानने को तैयार नहीं हैं। जिसके कारण सड़क पर आने जाने वाले राहगीरों को परेशानियों का घोर सामना कर पड़ रहा है। इस संबंध में प्राप्त जानकारी अनुसार आज रविवार को दोपहर करीब एक बजे से नरेंद्र साहू के नेतृत्व में करीब 100 से ज्यादा की संख्या में बस्कर और खाडापारा के ग्रामीणों ने भैयाथान-पटना पर प्रदर्शन करते हुए भास्कर पारा स्थित प्रकाश इंडस्ट्रीज लिमिटेड के खुली कोल खदान तक जोरदार नारेबाजी करते हुए खदान के प्रवेश द्वार पर बैठ गए। प्रदर्शनकारियों ने कोल प्रबंधन पर बगैर ग्राम सभा प्रस्ताव के खदान का संचालन,उच्च घनत्व की ब्लास्टइंग और ट्रेलर वाहनों के सड़क पर खड़ा करने का आरोप लगाया है। मामले की खबर लगते ही भैयाथान टीआई नसीमुद्दीन अपने दल बल के साथ मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों को शांत करने की कोशिश की। मामले को शांत न होता देख मौके पर एस डी एम चांदनी कंवर,तहसीलदार शिव नारायण राठिया,पटवारी पीतांबर कुशवाहा भी पहुँचे और प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों को मामले को कोल खदान प्रबंधन और प्रशासन के समक्ष बात करने का प्रस्ताव रखा जिसे प्रदर्शनकारियों ने मानने से इनकार कर दिया है। प्रदर्शनकारियों में नरेंद्र साहू, रक्षेन्द्र प्रताप सिंह, हीरालाल राजवाड़े, भगवानदास, मनोहर, विजेश्वर सिंह, विजेंद्र सिंह,प्रदीप सिंह,सुनील कुशवाहा,रामेश्वर कुशवाहा अनु सिंह विशुन हेमंत राजवाड़े समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

सूरजपुर पुलिस के परिवार परामर्श केन्द्र में 106 जोड़े एक साथ रहने हुए राजी

परिवार को जोड़ने एवं बिखरने से रोकने संवेदनशीलता के साथ की गई सुनवाई

-संवाददाता-
सूरजपुर,14 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

डीआईजी एवं एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देशन में जिले में संचालित परिवार परामर्श केन्द्र की बैठक प्रत्येक दिवस आयोजित किया जा रहा है। परामर्श केन्द्र में घरेलू एवं आपसी पति-पत्नि के बीच विवाद के मामलों की सुनवाई संवेदनशीलता से किया गया जिसमें उन्हें समस्याओं को मिलकर सुलझाने और हल करने, रिश्ते में तनाव न आने देने, परिवार के सदस्यों को एक दूसरे को समझने और सम्मान करने की समझाईश दी गई जिस पर 106 जोड़े एक साथ रहने को राजी हुए है। परामर्श देने वाली टीम लगातार

ऐसे परिवारों जो कि टूटने के कगार पर पहुंच गए हैं उन्हें जोड़ने का काम कर रही है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो के मार्गदर्शन में परामर्श केन्द्र में हुए काउंसलिंग से वर्ष 2025 में अब तक 106 बिछुड़े जोड़े के बीच सकारात्मक रूप से चर्चा कर काउंसलिंग कर आपसी समझौता कराया गया जो सभी जोड़े सुखी जीवन जीने के लिए राजी हुए। 105 मामले में दोनों पक्षों के उपस्थित नहीं होने अथवा समझौता की बात नहीं बनी। समझौता नहीं हो पाने के मामले में उन्हें न्यायालय जाने की सलाह दी गई। परिवार बिखरे न इसी उद्देश्य से डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर के निर्देश पर जिले के परिवार परामर्श केन्द्र सूरजपुर के द्वारा प्रत्येक दिवस इस प्रकार की शिकायतों पर दोनों पक्षों के मध्य एक बेहतर एवं स्वच्छ वातावरण में काउंसिलिंग के माध्यम से समझाईश देकर पति-पत्नी के बीच आपसी समझौता लगातार कराया जा रहा है। काउंसलिंग डीएसपी मुख्यालय महालक्ष्मी कुलदीप के मार्गदर्शन में निरीक्षक निलिमा तिर्की, एसआई पुष्पा तिर्की, सामाजिक कार्यकर्ता/अधिवक्ता राकेश गुप्ता, प्रधान आरक्षक दीपक सिंह, महिला आरक्षक विमला खलखो, प्रीति सिंह, सूर्यवती सिंह, गोमेश्वरी राज व आरक्षक कृष्णा साहू सक्रिय रहे।

मुख्यमंत्री ग्राम गौरव पथ योजना से खड़गवां विकास खंड में बन रही सीसी सड़क निर्माण कार्य में खुलेआम मापदंडों की धज्जियां उड़ाई जा रही है...

कैबिनेट मंत्री के गृह क्षेत्र खड़गवां मुख्यालय में मुख्यमंत्री ग्राम गौरव पथ योजना की सड़क में खुलेआम भ्रष्टाचार?

निर्माण स्थल पर नहीं रहते हैं विभागीय अधिकारी ठेकेदार कर रहा निर्माण कार्य मन मर्जी?

क्या ठेकेदार के द्वारा सड़क पर जो बोर्ड लगा कर मापदंडों को अंकित किया गया है उसका पालन नहीं किया जा रहा है?

इस सी सी सडक निर्माण कार्य का विरोध सरपंच एवं स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा किया जा रहा है?

-राजेन्द्र शर्मा-
खड़गवां,14 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

खड़गवां विकास खंड मुख्यालय में सी सी रोड सह नाली निर्माण कार्य मेन रोड गजमरवापारा से पुष्प राज घर तक पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य ठेकेदार मेसर्स नवीन इन्फ्रास्ट्रक्चर शिवनन्दन पुर के द्वारा किया जा रहा है जो मुख्यमंत्री ग्राम गौरव पथ योजना के मापदंडों का पालन नहीं करते हुए घटिया एवं गुणवत्ता विहीन निर्माण कार्य किया जा रहा है जबकि मोहल्ले के निवासियों ने घटिया सामग्री का उपयोग कर गुणवत्ता विहीन सी सी सडक निर्माण कार्य शुरू होते ही विरोध किया था उसके बाद भी ठेकेदार के द्वारा अपनी दबंगई से निर्माण कार्य किया गया है जबकि सी सी सडक निर्माण कार्य की निचली सतह पर 150 मि.मी. दानेदार मुरूम रेत गिट्टी का चूरा बिछाकर रोड रोलर से पानी डालकर रोलिंग करना था जो सामाग्री का उपयोग नहीं किया गया है सिर्फ मिट्टी डालकर जेसीबी मशीन से बिछाकर कर लाखों रूपए की सी सी सड़क का निर्माण कार्य किया गया है?

जबकि सी सी सडक निर्माण स्थल पर उपस्थित मजदूरो ने बताया कि ओवर साइज की 30 से 40 एम एम गिट्टी इसलिए इस्तेमाल किया जा रहा है 20 एम एम की गिट्टी नहीं मिल रही है इसलिए ओवर साइज

गिट्टी का उपयोग कर सी सी सड़क निर्माण कार्य किया जा रहा है और सी सी सडक निर्माण की निचली सतह पर बिछाये जाने वाला प्लास्टिक जिस GSM का बिछाया जाना होता है वो ना बिछा कर घटिया प्लास्टिक बिछाकर सी सी का निर्माण कार्य किया गया है अब इससे सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि सी सी सडक निर्माण कार्य में कितनी गुणवत्ता और मजबूरी से निर्माण कार्य किया गया है?

ग्राम पंचायत खड़गवां के सरपंच सुखित लाल अगरिया ने कहा है कि जिस मापदंडों और सामाग्री का उपयोग कर ठेकेदार को लाखों रूपए की लागत की सी सी सडक का निर्माण कार्य करना था वो नहीं किया है ना ही निर्माण कार्य स्थल पर मैं जब जब गया हूं वहां पर कोई इंजिनियर नहीं मिला है बिना देखरेख के सी सी सडक का निर्माण कार्य किया जा रहा है।

स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने घटिया निर्माण कार्य कराने के लिए विभागीय अधिकारी और ठेकेदार के साठगांठ से मुख्य मंत्री ग्राम गौरव पथ योजना की सी सी सड़क में भ्रष्टाचार जम कर किया जा रहा है? भाजपा कार्यकर्ता बूथ अध्यक्ष पुष्प राज सिंह मोहल्ले का निवासी के द्वारा मुख्यमंत्री ग्राम गौरव पथ योजना से हो

रही सड़क के निर्माण कार्य से धान की फसल को नुक्सान किया जा रहा है हमारे द्वारा इसका विरोध भी किया गया है कि सड़क का निर्माण कार्य फसल अपने के बाद निर्माण कार्य किया जाए मगर ठेकेदार के द्वारा मनमाने तरीके से घटिया एवं गुणवत्ता विहीन सी सी सड़क निर्माण कार्य का किया जा रहा है जिसका विरोध भी मेरे द्वारा किया गया है स्थल पर विभागीय अधिकारी कभी नहीं आते हैं ठेकेदार के द्वारा मनमाने तरीके से निर्माण कार्य किया जा रहा है?

आधार कार्ड में नाम सुधार की सूचना-पत्र

मैं शिव चरण आ. झुन्नू राम, उम्र लगभग 41 वर्ष,जाति लोहार,निवासी ग्राम अजबनगर, तहसील लटोरी,जिला-सूरजपुर (छ.ग.) का निम्नांकित कथन शपथ पूर्वक करता हूँ -

01. मैं शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि मेरे पुत्र का सही एवं वास्तविक नाम शेखर (SHEKHAR) आ. शिव चरण (SHIV CHARAN) तथा सही जन्मतिथि 01/06/2011 (एक जून दो हजार ग्यारह) है।

02. मैं शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि मेरे पुत्र के आधार कार्ड क्रमांक 5008 5585 4770 में मेरे पुत्र का नाम, पिता का नाम एवं जन्मतिथि त्रुटिपूर्ण अंकित है। जिसे सुधार किये जाने हेतु मैने स्वयं का सपथ पत्र पस्तुत किया है। की उक्त शपथपत्र की कंडिका क्रमांक 1 एवं 2 तक की समस्त जानकारी सत्य एव सही है।

शपथकता
शिव चरण आ.झुन्नू राम
निवासी ग्राम-अजबनगर,
तहसील लटोरी,
जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

आधार कार्ड में नाम सुधार की सूचना-पत्र

मैं पप्पू आ. सुखऊ, उम्र लगभग 25 वर्ष, निवासी वार्ड क्रमांक-09 देवल्लापारा, बसदेई, थाना व तहसील सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.) का निम्नांकित कथन शपथ पूर्वक करता हूँ-

01. मैं शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि मेरा सही एवं वास्तविक नाम पप्पू (PAPPU) है।

02. मैं शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि मेरे आधार कार्ड क्रमांक 4824 8938 8091 में मेरा नाम त्रुटिवश **'उमेश्वर'** अंकित है। जिसे सुधार किये जाने हेतु मैने स्वयं का सपथ पत्र पस्तुत किया है। की उक्त शपथपत्र की कंडिका क्रमांक 1 एवं 2 तक की समस्त जानकारी सत्य एव सही है।

शपथकता
पप्पू आ0 सुखऊ,
निवासी वार्ड क्रमांक-09
देवल्लापारा,बसदेई,थाना व
तहसील सूरजपुर,
जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

C M Y K

15 SEPTEMBER 2025 AMBIKAPUR GG NEWS PAPER_Layout 2 9/14/2025 11:33 PM Page 6

नौसीखिए तहसीलदार के बचकाना फैसले के बाद नायाब तहसीलदार का फर्जी नामांतरण मामला आया सामने

भैयाथान तहसील कार्यालय में आखिर चल क्या रहा है...उस कार्यालय में राजस्व न्याय की बात बेमानी है?

पति की मृत्यु के बाद पत्नी के नाम ना चढ़कर भूमि चढ़ा दी गई किसी अन्य के नाम

इश्तिहार में फर्जी हस्ताक्षर का भी लगा आरोप,पंचायत में हस्ताक्षर से किया इनकार

फर्जी नामांतरण से राजस्व का भी हुआ नुकसान,होनी थी रजिस्ट्री,कर दिया नामांतरण

-ओंकार पाण्डेय-

सूरजपुर/भैयाथान,14 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के यशस्वी मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन में क्या-क्या देखने को मिलेगा, राजस्व प्रकरणों में तो हर कहीं अव्यवस्था और अन्याय देखने को मिल रही है। जहां नए-नए नियम और बेहतर संतुलन के लिए राजस्व विभाग में व्यवस्था की जा रही है,फिर भी अधिकारियों की मनमानी खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। अनाप-शनाप फैसला व फर्जी नामांतरण लोगों के लिए मुसीबत बनते जा रहे हैं। राजस्व न्यायालय में यदि किसी का बोलबाला है, तो वह सिर्फ पैसे का बोलबाला है। कहा जा रहा है कि पैसा दो और फैसला लो। ऐसा ही कुछ देखने को मिल रहा है। सूरजपुर जिले में ईमानदार कलेक्टर के होने के बावजूद भी तहसीलदार के हाथ गलत काम करने में नहीं कांप रहे हैं। उन्हें कार्यवाही का डर अब नहीं लग रहा है, उन्हें तो लग रहा है कि वह बहुत योग्य हैं, परीक्षा देकर आए हैं, तो कुछ भी फैसला दे देंगे, कुछ भी फर्जीवाड़ा कर देंगे,कार्रवाई कौन करेगा? उनके उच्च अधिकारी सिर्फ अनुशंसा ही करेंगे, कार्यवाही से पहले वह बच निकलेंगे। इसी उम्मीद में वह बार-बार गलती पर गलती कर रहे हैं? पर मामला उनके ऊपर एफआईआर तक नहीं पहुंच रहा है। जिस दिन इन अधिकारियों पर अन्यायपूर्ण फैसले, भ्रष्टाचार आदि कृत्य पर अपराध दर्ज होने लगेगा, उस दिन यह गलत फैसला व कार्रवाई देने से परहेज करने लगेंगे। तहसीलदार हड़ताल से वापसी के बाद और भी मनमाना कार्य करने लगे हैं। क्या इसीलिए वह हड़ताल पर बैठे थे, और सरकार पर दबाव बनाकर अपना बचाव का हथियार ढूंढ रहे थे। सूरजपुर में आए ताजा मामले के बाद यह बात उठने लगा है कि राजस्व विभाग से ईमानदारी की बात सिर्फ बेमानी है। एक तरफ नए नवेले नौसिखिया तहसीलदार के बेजा कब्जा प्रकरण पर फैसले ने मजाक बना दिया, अब उसके बाद इस कार्यालय के नायब तहसीलदार का फर्जी नामांतरण का मामला सामने आ गया है। क्या ईमानदार कलेक्टर सूरजपुर इन दोनों मामलों पर संज्ञान लेकर कार्यवाही करेंगे या फिर पूर्व के तहसीलदार संजय राठौर की तरह यह मामला भी विभागीय जांच के जाल में फंसकर दब जाएगा? वैसे जानकारों का मानना है की सूरजपुर कलेक्टर व ईमानदार अपर कलेक्टर इस मामले में जरूर संज्ञान लेंगे और कार्यवाही भी करेंगे।

फर्जी नामांतरण से राजस्व का भी हुआ नुकसान...होनी थी रजिस्ट्री...कर दिया नामांतरण

किसी व्यक्ति की मृत्यु होने की दशा में उसकी अचल संपत्ति के वारिस दार उसके सर्वाधिक निकट के सगे संबंधी यथा पत्नी,पुत्र वगैरह होते हैं। जिनके लिए फौती नामांतरण की प्रक्रिया अपनाई जाती है। इसके अतिरिक्त किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर अचल संपत्ति का सीधे नामांतरण नहीं किया जा सकता। हां यह दीगर बात है कि अन्य व्यक्ति के नाम से अचल संपत्ति की रजिस्ट्री कराई जाती है, और शासन को यथोचित शुल्क अदा किया जाता है। इस प्रकरण में जहां भूमि स्वामी की मृत्यु के पश्चात फौती नामांतरण की प्रक्रिया उसकी जीवित पत्नी के पक्ष में होनी चाहिए थी, वह तो हुई नहीं,अपितु किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर नामांतरण किया गया जो कि सरासर गलत और फर्जी है। नायब तहसीलदार के इस फैसले से शासन को राजस्व की हानि भी हुई है।

गलत प्रक्रिया और फैसला राजस्व न्यायालय का,दंड भुगतना पड़ता है पक्षकारों को...

राजस्व न्यायालय में लंबित प्रकरणों की सुनवाई के दौरान उचित प्रक्रिया का पालन न किए जाने, पैसों से लेनदेन कर फर्जीवाड़ा किए जाने का दंड वास्तविक हकदार और पीड़ित पक्षकार को लंबे समय तक भुगतना पड़ता है। यह सर्वविदित है कि राजस्व प्रकरणों की सुनवाई में काफी लंबा वक्त लगता है, और पीड़ित पक्षकार दर-दर की ठोकर खाते रहते हैं। कई बार तो ऐसा होता है कि राजस्व प्रकरणों की सुनवाई और फैसला आने तक पक्षकारों की मृत्यु भी हो चुकी होती है। अब इसी प्रकरण में भूमि जिस बुजुर्ग महिला के नाम पर की जानी थी, उसे अन्य के नाम पर कर दिया गया। पुनः उस महिला को इस भूमि को प्राप्त करने के लिए लंबी लड़ाई लड़नी पड़ेगी,जो की बेहद ही अव्यावहारिक और कष्टप्रद होने वाला है।

पति की मृत्यु के बाद पत्नी के नाम ना चढ़कर भूमि चढ़ गई किसी अन्य के नाम

मिली जानकारी के अनुसार तहसील कार्यालय भैयाथान फर्जी नामांतरण के मामले को लेकर एक बार फिर सुर्खियों में है। ग्राम पंचायत दनौली खुर्द का यह मामला प्रशासनिक लापरवाही ही नहीं बल्कि राजस्व नियमों की खुली धज्जियां उड़ाने का भी उदाहरण बन गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत दनौली खुर्द स्थित भूमि खसरा क्रमांक 224 रकबा 0.0500 हे. पूर्व में स्व. अमरसाय के नाम दर्ज थी। जानकारों की माने तो राजस्व संहिता 1959 की धारा 109 एवं उत्तराधिकार अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार,किसी भी स्वामी की मृत्यु के बाद उसकी संपत्ति का नामांतरण सबसे पहले उसकी जीवित पत्नी/विधवा अथवा वैधानिक वारिसों के नाम होना चाहिए। लेकिन हैरानी की बात है कि स्व. अमरसाय की बुजुर्ग पत्नी के जीवित होने के बावजूद भी उक्त भूमि का नामांतरण सीधे मंजीत के नाम कर दिया गया। राजस्व नियम स्पष्ट करते हैं कि उत्तराधिकार से संबंधित विवाद या दावे की स्थिति में नामांतरण तभी हो सकता है जब मामला न्यायालय (कोर्ट) से निष्पादित हो या सभी वारिसों की सहमति लिखित रूप में दर्ज हो। इस प्रकरण में न तो वारिसों की सहमति ली गई, न ही किसी प्रकार की न्यायालयीन प्रक्रिया पूरी की गई। सूत्रों कि माने तो यह नामांतरण नायब तहसीलदार प्रियंका टोप्पो और पटवारी की मिलीभगत से मोटी रकम लेकर किया गया है। नियमों की अनदेखी और धारा 109 का उल्लंघन सीधा भ्रष्टाचार और दंडनीय अपराध की श्रेणी में आता है। इस पूरे मामले के उजागर होने के बाद तहसील कार्यालय में हड़कंप मच गया है।

इश्तहार में फर्जी हस्ताक्षर,जिनके हस्ताक्षर होने का दावा उन्होंने हस्ताक्षर से किया इनकार

सूत्रों की मामले में जो इश्तहार जारी किया गया उसमें एक ही व्यक्ति ने 5,6 ग्रामीणों सहित पंच व चौकीदार का भी फर्जी तरीके से हस्ताक्षर कर दिया। ग्राम पंचायत दनौली खुर्द के सरपंच सपना सिंह के समक्ष पूजा सिंह पंच, अभिमन्यु चौकीदार ने बताया की यह हस्ताक्षर हम लोगों का नहीं है। तथा इंदकुंवर को पंच बता कर हस्ताक्षर किया गया है, लेकिन इंदकुंवर नाम का कोई महिला पंच नहीं है, इससे स्पष्ट होता है की यह सब एक ही व्यक्ति के द्वारा किया गया है। स्पष्ट है कि फर्जीवाड़े को अंजाम देने के लिए तहसील कार्यालय से इश्तहार प्रशासन के बाद उसकी मुनादी संबंधितों तक नहीं कराई गई, ना ही संबंधितों के हस्ताक्षर लिए गए। एक ही स्थान पर बैठकर पंचायत प्रतिनिधियों के फर्जी हस्ताक्षर का खेल खेला गया है।

किराना दुकान से नगदी रकम चोरी मामले में 2 आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-

सूरजपुर,14 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

विगत दिनांक 06.09.2025 को ग्राम सोनपुर चौकी बसदेई निवासी मोहम्मद हदीश अंसारी ने चौकी बसदेई में रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 05-06.09.2025 के दरम्यानी रात्रि में उसके किराना दुकान के गल्ले में रखे करीब 65 हजार रूपये को अज्ञात चोर के द्वारा चोरी कर ले गया है। प्रार्थी की रिपोर्ट पर अज्ञात चोर के विरूद्ध धारा 305 (क), 331(4) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

मामले की सूचना पर डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने अज्ञात चोर की पतासाजी कर माल मुलजिम को जल्द पकड़ने के निर्देश दिए। चौकी बसदेई पुलिस ने मामले की विवेचना के दौरान आदतन चोरों को तलब पूछताछ किया और घटना स्थल के आसपास सुराग खोजने के दौरान मुखबीर से प्राप्त सूचना के आधार पर संदेही राहुल सोनवानी व दीपक कुर्रे को दबिश देकर पकड़ा गया। पूछताछ पर आरोपी राहुल सोनवानी ने बताया कि दिनांक 5-6/09/25 दरम्यिानी रात्रि में पास के गांव में आरकेस्टा प्रोग्राम आया था जिसे देखने गया था जहां गांव का दीपक कुर्रे व 1 अन्य व्यक्ति आए और हदीश सेठ के दुकान तरफ घुमकर आते है कहकर तीनों मोटर सायकल में शिवप्रसादनगर गए जहां मोटर सायकल को छोड़कर पैदल सोनपुर हरीश के किराना दुकान पहुंचे तब सभी चोरी की योजना बनाकर लोहे के राड से रोशनदान के ईट को निकालकर यह व 1 अन्य व्यक्ति दुकान के अंदर घुसकर दुकान के गल्ला में रखे 65 हजार रूपये नगदी चोरी किए। दुकान के बाहर दीपक पहरा कर रहा था। चोरी की घटना को अंजाम देने के बाद दोनों को मिले रकम से मोबाईल खरीदना एवं खाने-पीने में खर्च कर देना बताया। आरोपियों के निशानदेही पर चोरी की रकम से खरीदे गए 2 नग मोबाईल जप्त कर आरोपी राहुल सोनवानी पिता माधव सोनवानी उम्र 18 वर्ष 2 माह एवं दीपक कुर्रे पिता प्रेमसाय उम्र 20 वर्ष दोनों निवासी ग्राम शिव प्रसादनगर,चौकी बसदेई को गिरफ्तार किया गया है। मामले में फरार 1 अन्य आरोपी की पतासाजी की जा रही है। कार्यवाही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो व सीएसपी एस.एस.पैंकरा के मार्गदर्शन में चौकी प्रभारी बसदेई योगेन्द्र जायसवाल,प्रधान आरक्षक शिवकुमार सारथी, भुनेश्वर सिंह,प्रेम सिंह,महिला आरक्षक पूनम सिंह सक्रिय रहे।

सुरजपुर जिला अस्पताल में लगेगा सीटी स्कैन मशीन,जिले के मरीजों की मिलेगा लाभ

4.5 करोड़ की लागत से जिला अस्पताल में लगेगी सीटी स्कैन मशीन, 2012 से लंबित मांग होगी पूरी

-ओंकार पाण्डेय-

सूरजपुर,14 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

लंबे इंतजार के बाद जिले के लोगों को अब जिला अस्पताल में सीटी स्कैन की सुविधा मिल सकेगी। जानकारी के अनुसार जिला अस्पताल में सीटी स्कैन मशीन लगाने की तैयारी की जा रही है। जहां मशीन लगना है उस कमरे को तैयार किया जा रहा है और मशीन की आपूर्ति सीजीएमएससी (छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विस कारपोरेशन) के माध्यम से की जाएगी।सीटी स्कैन मशीन की लागत लगभग 4.5 करोड़ रुपये है। गौरतलब है कि इसकी मांग वर्ष 2012 से लगातार की जा रही थी, जिस पर अब अमल हो रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. कपिल देव पैकरा और सिविल सर्जन डॉ. अजय मरकाम ने बताया कि मशीन स्थापित होते ही मरीजों को बाहर भटकने की आवश्यकता नहीं होगी और उन्हें जिला अस्पताल में ही सीटी स्कैन की सुविधा सहज रूप से मिल सकेगी। इससे जिले के हजारों मरीजों के इलाज में बड़ी राहत मिलेगी, जिससे इलाज में समय और पैसे दोनों की बचत होगी।

शराब के नशे में झूमता मचलता पुलिस का आरक्षक,बीच सड़क गाड़ी खड़ी,झूमता रहा

-शमरोज खान-

सूरजपुर,14 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

कानून के रखवाले जब खुद कानून तोड़ने लगे तो क्या होगा? जिले की पुलिस अपनी खुद की चमक को चमकाने के लिए क्या क्या नही करती। स्कूल कालेजो में जाकर नशाखोरी से दूर रहने की बात करती है। लेकिन खुद के विभाग में ऐसे शराबखोर पुलिसकर्मी है जो आये दिन शराब के नशे में झूमते मचलते इधर-उधर पड़े रहते है। कुछ ऐसा नजारा मोहरसोप में देखा गया। मोहरसोप चौकी में पदस्थ आरक्षक हृदय लाल पाटले की नशे की हालत में तस्वीर विडियो ग्रामीण ने बनाकर सोशल मीडिया वायरल कर दिया। जिसमे नशे में झूमते देखे जा रहे है। पड़ताल करने पर पता चला कि यह आरक्षक आज सुबह करीब 10 बजे अपनी स्कूटी क्रमांक सीजी 15 डीक्यू 203 को यादव किराना कपड़ा दुकान के सामने सड़क के बीच मे खड़ा कर दिया। इस दौरान वह खुद नशे में मदमस्त होकर पास ही कुर्सी पर सो गया। स्थानीय लोगों ने वीडियो बनाकर कर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया जो बहुत तेजी से फैलता जा रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि चौकी में तैनात कुछ कर्मचारी अक्सर शराब के नशे में ड्यूटी करते हैं और आम जनता की शिकायतों पर गंभीरता से ध्यान नहीं देते। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि बार-बार इस तरह की घटनाएँ सामने आने से चौकी और पूरे विभाग की छवि धूमिल हो रही है।

बड़ा सवाल...

बीच सड़क पर स्कूटी खड़ी करने से यातायात में बाधा उत्पन्न हुई और आसपास मौजूद लोग परेशान हुए। लोगों का कहना है कि अगर ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी ही नशे में धुत होकर गैर-जिम्मेदाराना रवैया अपनाएंगे,तो क्षेत्र की कानून-व्यवस्था और आम जनता की सुरक्षा पर कैसे भरोसा किया जा सकेगा। क्या जिले के वरिष्ठ अधिकारी इस मामले पर क्या संज्ञान लेते हैं और नशे में धुत पाए गए पुलिसकर्मी होती है कि नही?

CMYK

15 SEPTEMBER 2025 AMBIKAPUR GG NEWS PAPER_Layout 2 9/14/2025 11:34 PM Page 7

एक्ट्रेस दिविता जुनेजा का बॉलीवुड में डेब्यू..

परिणीति चोपड़ा, जूही के बाद अंबाला की दिविता की मूवी रिलीज, पिता बड़े बिजनेसमैन

बॉलीवुड की चकाचौंध भरी दुनिया में एक ओर हरियाणवी कलाकार ने अपनी चमक बिखेरी है। नाम है दिविता जुनेजा, जिनकी शुक्रवार को ही बॉलीवुड मूवी हीर एक्सप्रेस रिलीज हुई है। यह उनकी पहली मूवी है, जिसमें वे लीड रोल में हैं। यह मूवी देश भर के सिनेमा में एक साथ रिलीज हुई है, जिसमें दिविता ने अपनी एक्टिंग और चार्म से सबका दिल जीत लिया है। बता दें कि दिविता मूल रूप से हरियाणा के अंबाला की रहने वाली हैं। उनके पिता संजीव जुनेजा बड़े बिजनेसमैन हैं, जिनके कई बिजनेस प्रोडक्ट्स हैं। केश किंग, रूप मंत्रा, पेट सफा, डॉ. ऑर्थो जैसे प्रोडक्ट इन्हीं के दिए हैं। वर्तमान में दिविता फैमिली के साथ चंडीगढ़ में रहती हैं। मूवी रिलीज होने के साथ ही दिविता उन फेमस अभिनेत्रियों में शुमार हो गई हैं, जिन्होंने बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बनाई है। इनमें जूही चावला, मल्लिका शेरावत, परिणीति चोपड़ा के नाम शामिल हैं। जूही चावला और परिणीति चोपड़ा भी अंबाला की ही रहने वाली हैं।

अंबाला में जन्म, चंडीगढ़ से स्कूलिंग, पंजाब से ग्रेजुएशन किया

दिविता जुनेजा का जन्म अंबाला में हुआ है। परवरिश भी अंबाला में ही हुई है। हालांकि चंडीगढ़ के विवेका हाई स्कूल से 12वीं करने के बाद पंजाब यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन किया। ग्रेजुएशन करने के दौरान ही उन्होंने रंगमंच पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए टैगोर थिएटर में होने वाले नाटकों में बतौर कलाकार अपनी प्रतिभा दिखाई।

बचपन से ही डांस-एक्टिंग की शौक, जो मुंबई तक ले गया

दिविता को बचपन से ही म्यूजिक, डांस व एक्टिंग का शौक रहा। उम्र के साथ-साथ उन्होंने एक्टिंग फील्ड में खुद का मुकाम बनाने के लिए प्रयास शुरू कर दिए। सपनों को पंख मिले और उन्होंने आगे बढ़ते हुए मुंबई में एक्टिंग स्कूल में अभिनय की बारीकियों को सीखा। वे इसी के साथ सोशल मीडिया पर शॉर्ट फिल्म्स भी बनाती रही हैं।

मासूम चेहरे ने दिलाई पहचान

बुआ राधिका चीमा ने बताया कि डायरेक्टर उमेश शुक्ला को नए चेहरे की तलाश थी। इसके चलते दिविता जुनेजा के भोलेपन और सादगी ने उन्हें हीर एक्सप्रेस से बॉलीवुड में पहचान बनाने का मौका दिया। बुआ बताती है कि डांस, एक्टिंग व म्यूजिक तो दिविता के शौक में शुमार हैं ही, मां तारा, पिता संजीव जुनेजा और भाई दिव्यम ने इस सपने को साकार करने में हमेशा साथ दिया है।

नाम का मतलब सूर्य की पहली किरण

एक पॉडकास्ट में दिविता से उनके नाम को लेकर सवाल हुआ- क्या यह कैची है, ट्रेंडी या बचपन से सेम था या फिल्मों में आने के बाद बदला? इस पर दिविता ने बताया कि उनके नाम के पीछे एक इंट्रस्टिंग कहानी है। उन्होंने कहा- यह नाम बचपन से सेम है। मेरे फादर ने मेरा नाम उस वक्त रखा, जब मैं छह माह की हो गई थी। क्योंकि, उन्हें नाम होने की वैल्यू पता था। उनको ये था कि जब भी बेटी अपना नाम लेगी या सुनेगी तो उसको अच्छा लगना चाहिए। जब दिविता से इस नाम का अर्थ पूछा गया तो उन्होंने इसका मतलब बताया- फर्स्ट रेज ऑफ सन यानि सूर्य की पहली किरण।

वृंदावन में माथा टेककर करना चाहती थीं शुरुआत

हीर एक्सप्रेस रिलीज होने के साथ दिविता ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट शेयर की। लिखा- मैं भगवान कृष्ण का आशीर्वाद प्राप्त करते हुए वृंदावन में माथा टेककर इस यात्रा की शुरुआत करना चाहती थी। यह फिल्म पूरी टीम के अपार धैर्य, समर्पण और अनगिनत घंटों की कड़ी मेहनत से बनी है। शूटिंग के पहले दिन से लेकर आज तक। मैं अपने परिवार, अपने गुरुओं और टीम हीर एक्सप्रेस के हर एक व्यक्ति का तहे दिल से शुक्रिया अदा करती हूं जिन्होंने इस सफर को संभव बनाया।

आपकी दुआएं और प्यार ही मेरी असली ताकत

दिविता आगे लिखती हैं कि आज, जब मैं यह कदम उठा रही हूं, तो मैं प्रार्थना करती हूं कि ईश्वर की कृपा और आपके आशीर्वाद से, हीर एक्सप्रेस लोगों के दिलों को छू ले। यह एक साफ-सुथरी पारिवारिक फिल्म है जिसे आप अपने पूरे परिवार के साथ मिलकर देख सकते हैं। आपकी दुआएं और प्यार ही मेरी असली ताकत हैं।

फैमिली कॉमेडी-ड्रामा फिल्म

हीर एक्सप्रेस एक फैमिली कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है, जो रेजिलिएंस, प्यार और परिवार के महत्व को दर्शाती है। इस फिल्म का निर्देशन उमेश शुक्ला ने किया है और इसमें दिविता जुनेजा, प्रीत कामनी, आशुतोष राणा, गुलशन ग्रोवर और संजय मिश्रा जैसे कलाकार हैं। संगीत तनिष्क बागची का है और गानों को आवाज दी है जावेद अली, असीस कौर, निखिता गांधी और जसबीर जस्सी जैसे लोकप्रिय गायकों ने।

पंजाबी लड़की की कहानी

हीर (दिविता जुनेजा) पंजाब में अपने मामाओं के साथ रहती है और एक दिन लंदन में एक इंडियन रेस्तरां चलाने का मौका मिलता है। लंदन में उसकी जिंदगी में कई उतार-चढ़ाव आते हैं और वह अपने परिवार के साथ जुड़ाव की महत्ता को समझती है। हीर एक्सप्रेस की कहानी भारत से लंदन तक फैली है, जिसमें इमोशन, रोमांच और रिश्तों की गर्माहट का शानदार संगम है। फिल्म की शूटिंग लंदन की खूबसूरत लोकेशन्स पर की गई है।

अंबाला में पहला शो रहा हाउसफुल

वहीं, अंबाला शहर के गैलेक्सी मॉल में शुक्रवार शाम को फिल्म दिखाई गई। पहले दिन पहला शो हाउसफुल रहा। इस दौरान खुद दिविता ने भी अंबाला की जनता के साथ गैलेक्सी मॉल में फिल्म देखी और दर्शकों से रिव्यू लिए।

भारत में रिलीज नहीं होगी फिल्म 'अबीर गुलाल'

प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो ने फवाद खान की फिल्म रिलीज के दावे को खारिज किया

पाकिस्तानी एक्टर फवाद खान फिल्म अबीर गुलाल से बॉलीवुड में कमबैक करने वाले थे, हालांकि पहलगाम आतंकी हमले के बाद फिल्म को बैन कर दिया गया था। लंबे विवाद के बाद फिल्म 12 सितंबर को भारत के अलावा कई देशों में रिलीज हुई है। दावा किया जा रहा था कि अबीर गुलाल 26 सितंबर को भारत में रिलीज होगी। अब प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो ने इस दावे को खारिज कर साफ कर दिया है कि ये फिल्म भारत में रिलीज नहीं होगी। प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो के ऑफिशियल एक्स प्लेटफॉर्म (पहले ट्विटर) पर एक पोस्ट शेयर कर लिखा गया है, कई मीडिया आउटलेट द्वारा ये दावा किया जा रहा है कि फवाद खान और वाणी कपूर स्टारर फिल्म अबीर गुलाल 26 सितंबर को भारतीय सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ये दावा फर्जी है। फिल्म को किसी तरह का क्लीयरेंस नहीं मिला है। फेडरेशन हमेशा पाकिस्तानी कलाकारों का विरोध करती आई है। अगर फवाद खान की फिल्म भारत में रिलीज होती है तो हम अपने फेडरेशन और फिल्म इंडस्ट्री की तरफ से इसका विरोध करेंगे। हम थिएटर मालिकों से भी रिक्वेस्ट करेंगे कि इस तरह की फिल्म को रिलीज ना करें। आज भी पाकिस्तान की हरकतें भारत के लिए अच्छी नहीं है। फिर भी अगर हम पाकिस्तानी

कलाकारों को इज्जत देते हैं, उनकी फिल्मों को रिलीज होने देते हैं तो हिन्दुस्तानी कलाकारों की क्या जगह है। यह हमारा अपमान है। पहलगाम हमले का हम बदला लेने और स्वाभिमान की बात करते हैं तो फिल्म का रिलीज होना बहुत घोर अपमान है। हम इसका विरोध करते हैं और फिल्म को भारत में नहीं रिलीज होने देंगे।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत में हुआ फिल्म का विरोध : बताते चलें कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद फिल्म अबीर गुलाल को बैन कर दिया गया था, हालांकि इसका विरोध इससे पहले ही शुरू हो चुका था। 1 अप्रैल को फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ था, जिसके बाद से ही महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने इसका विरोध करना शुरू कर दिया। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रवक्ता अमेय खोपकर ने इंटरव्यू में कहा था कि किसी भी सूरत में ये फिल्म महाराष्ट्र में रिलीज नहीं होने दी जाएगी।

वहीं सोशल मीडिया पर उन्होंने लिखा था, कई बार कहने के बावजूद कि पाकिस्तानी कलाकार की फिल्म भारत में रिलीज नहीं होगी, कुछ घटिया लोग नाक में दम कर रहे हैं, ऐसे लोगों को कुचलने का काम मन सैनिक का होगा। हम करेंगे और करते रहेंगे। इसका मतलब ये नहीं है कि अबीर गुलाल भारत में रिलीज नहीं होगी। शिवसेना के वरिष्ठ नेता संजय निरुपम ने फवाद खान की फिल्म के बारे में कहा, भारत में पाकिस्तान से बड़े पैमाने पर नफरत है। जब पाकिस्तान से कोई फिल्म रिलीज होती है, तो भारतीय लोग उसे देखना पसंद नहीं करते। एक-आध फिल्म को एक मिनट के लिए देखने की बात अलग है, लेकिन पाकिस्तान के आर्टिस्ट की फिल्में भारतीय ऑडियंस में ज्यादा पॉपुलर नहीं हो पातीं। इसीलिए पाकिस्तान के स्टार्स कभी भी भारत में सफल नहीं हो पाए। मैं तो पाकिस्तानियों को यह सलाह दूंगा कि हिंदुस्तान के मार्केट को एक्सप्लोर करने से बेहतर है कि वे अपने ही देश में काम करें।

बताते चलें कि फिल्म अबीर गुलाल 9 मई को रिलीज होने वाली थी। फिल्म में फवाद खान और वाणी कपूर लीड रोल में हैं, जबकि साइड रोल में लीजा हेडन, सोनी राजदान, रिद्धी डोगरा, फरीदा जलाल, परमीत सेठी जैसे कलाकार भी हैं। फिल्म की शूटिंग लंदन में 29 सितंबर 2024 से शुरू हुई थी, और इसे आरती एस. बागरी ने निर्देशित किया है। इसके निर्माता विवेक अग्रवाल, अवंतिका हरि और राकेश सिप्पी हैं।

मूवी रिव्यू-हीर एक्सप्रेस

समाज को आईना दिखाते हुए खास संदेश देती है फिल्म,दिविता जुनेजा की मासूमियत ने जीता दिल

ओह माय गॉड और 102 नॉट आउट जैसी फिल्में बनाने वाले डायरेक्टर उमेश शुक्ला की फिल्म 'हीर एक्सप्रेस' थिएटर में रिलीज हो चुकी है। पारिवारिक पृष्ठभूमि बनी इस फिल्म में रिश्तों की उलझनें, भावनाओं की गहराई और समाज की सच्चाई को बड़े ही संवेदनशील ढंग से प्रस्तुत किया गया है। इस फिल्म में दिविता जुनेजा, प्रीत कमानी के साथ आशुतोष राणा, संजय मिश्रा और गुलशन ग्रोवर की अहम भूमिका है। इस फिल्म की लेंथ 2 घंटा 20 मिनट है। इसे 5 में से 3 स्टार रेटिंग दी है।

फिल्म की कहानी क्या है : हीर एक्सप्रेस एक फैमिली कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है जो प्यार और परिवार के महत्व को दर्शाती है। कहानी हीर वालिया (दिविता जुनेजा) नामक एक युवा, महत्वाकांक्षी लड़की के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे खाना पकाने का शौक है। वह अपने पाक कौशल से दुनिया जीतने का सपना देखती है। हीर अपना रेस्टोरेंट खोलने के इरादे से शेफ के रूप में काम करने के लिए लंदन जाती है। हालांकि रास्ते में उसे कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। खासतौर पर यह फिल्म यह सवाल खड़ा करती है कि क्या समाज की बनाई सीमाओं में रहकर कोई अपनी इच्छाओं को पूरा कर सकता है या नहीं।

स्टारकास्ट की एक्टिंग कैसी है : इस फिल्म से दिविता जुनेजा ने इंडस्ट्री डेब्यू किया है। बात करें एक्टिंग की तो दिविता ने फिल्म में बढ़िया एक्टिंग की है। उनकी डायलॉग डिलिवरी काफी अच्छी है। उनकी

मासूमियत और उनके प्यार से बोलने का अंदाज आपको कई दिनों तक याद रह जाएगा। उन्हें देखकर कहीं नहीं लगता कि यह उनकी पहली फिल्म है। उन्होंने अपने किरदार को पूरी ईमानदारी से निभाया है। दिविता जुनेजा के अपोजिट प्रीत कमानी है जिनके साथ उनकी कैमिस्ट्री सहज और प्यारी लगती है। फिल्म में आशुतोष राणा, संजय मिश्रा और गुलशन ग्रोवर का भी किरदार प्रभावशाली है।

फिल्म का डायरेक्शन कैसा है : इस फिल्म का निर्देशन उमेश शुक्ला ने किया है। निर्देशक ने कहानी को बिना भटकाव के सहजता से पेश किया है। फिल्म इंटरवल से पहले किरदारों के संघर्ष और बैकग्राउंड को दिखाने पर केंद्रित रहती है, जबकि उसके बाद कहानी भावनाओं के टकराव और क्लाइमेक्स की तरफ जाती है। वही फिल्म भावनात्मक दृश्य दर्शकों को बांधे रखती है। इसके अलावा फिल्म की सिनेमैटोग्राफी, बैकग्राउंड स्कोर और डायलॉग्स सभी कहानी के साथ न्याय करते हैं।

खेल समाचार

ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ इंडिया-ए की वनडे कप्तानी करेंगे रजत पाटीदार

नई दिल्ली, 14 सितम्बर 2025। ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए बीसीसीआई ने इंडिया-ए टीम की घोषणा कर दी है। 30 सितंबर को पहले वनडे में रजत पाटीदार टीम की कप्तानी करते नजर आएंगे। वहीं 3 और 5 अक्टूबर को बाकी 2 वनडे के लिए तिलक वर्मा टीम की कमान संभालेंगे। रजत की कप्तानी में सेंट्रल जोन दलीप ट्रॉफी जीतने के करीब हैं। वहीं इसी साल मई में उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को 18 साल में पहला आईपीएल खिताब भी जिताया। वे बाकी 2 वनडे में उप कप्तान रहेंगे।

कानपुर में होंगे तीनों वनडे : ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ वनडे सीरीज 30 सितंबर से शुरू हो कर 5 अक्टूबर तक चलेगी। सभी मैच दोपहर 1.30 बजे से शुरू होंगे और मुकाबले कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में खेले जाएंगे। दोनों टीमों के बीच 16 और 23 सितंबर से लखनऊ में 2 टेस्ट भी होंगे।

तिलक और हर्षित पहला वनडे नहीं खेलेंगे : पहले वनडे के लिए इंडिया-ए टीम में 13 प्लेयर्स को चुना गया। पाटीदार कप्तानी करेंगे, वहीं प्रभसिमरन सिंह और अभिषेक पोरेल के रूप में 2 विकेटकीपर हैं। बाकी 2 वनडे के स्क्वॉड में 15 प्लेयर्स हैं। एशिया कप टीम का हिस्सा तिलक वर्मा, अभिषेक शर्मा, अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा आखिरी 2 वनडे में टीम का हिस्सा बनेंगे। प्रियांश आर्या और सिमरजीत सिंह का नाम केवल पहले वनडे के लिए टीम में चुना गया।

टेस्ट टीम की कप्तानी श्रेयस के पास : ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ इंडिया-ए टेस्ट टीम की कप्तानी श्रेयस अय्यर करेंगे। ध्रुव जुरेल को उप कप्तान बनाया गया। स्क्वॉड में केएल राहुल और मोहम्मद

सिराज को भी जगह मिली, लेकिन दोनों दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट का हिस्सा ही रहेंगे। भारत को 2 अक्टूबर से वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 टेस्ट की सीरीज खेलनी है।

ऑस्ट्रेलिया-ए वनडे के लिए इंडिया-ए टीम : रजत पाटीदार (कप्तान), प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), रियान पराग, आयुष बडोनी, सूर्यांश शेडगे, विपराज निगम, निशांत सिंधु, गुरजपनीत सिंह, युद्धवीर सिंह, रवि बिश्नोई, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), प्रियांश आर्या और सिमरजीत सिंह।

दूसरे और तीसरे वनडे के लिए टीम : तिलक वर्मा (कप्तान), रजत पाटीदार (उप कप्तान), अभिषेक शर्मा, प्रभसिमरन सिंह, रियान पराग, आयुष बडोनी, सूर्यांश शेडगे, विपराज निगम, निशांत सिंधु, गुरजपनीत सिंह, युद्धवीर सिंह, रवि बिश्नोई, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह।

वर्ल्ड बॉक्सिंग में भारत को दो दिन में दो गोल्ड

मीनाक्षी ने तीन बार की विश्व विजेता को हराया,जैस्मिन भी बनी चैंपियन

नई दिल्ली, 14 सितम्बर 2025। भारत ने इंग्लैंड में चल रही वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में दूसरा गोल्ड जीत लिया है। रविवार को मीनाक्षी ने 48किलोग्राम वेट कैटेगरी के फाइनल मुकाबले में 3 बार की विश्व विजेता कजाकिस्तान की नजिम काईजीबे को 4-1 से हराया। मीनाक्षी इस टूर्नामेंट में गोल्ड मेडल जीतने वाली दूसरी भारतीय बॉक्सर हैं। मीनाक्षी से पहले जैस्मिन लंबोरिया ने 57 किलोग्राम में पोलैंड की जूलिया स्जेरेमेटा को 4-1 से मात दी। इसी के साथ वर्ल्ड चैंपियनशिप के मौजूदा सीजन में भारत ने चौथा मेडल जीत लिया है। इनमें एक सिल्वर और एक ब्रॉन्ज भी शामिल हैं। नूपुर 80 किलोग्राम का फाइनल मुकाबला हार गईं। जबकि पूजा रानी को 80 किलोग्राम में ब्रॉन्ज मेडल से संतोष करना पड़ा।

भारत के वर्ल्ड चैंपियन की संख्या डबल डिजिट में पहुंची

मीनाक्षी के इस गोल्ड के साथ भारत के वर्ल्ड चैंपियंस की संख्या डबल डिजिट में पहुंच गई है। वे वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप की विमेंस कैटेगरी में गोल्ड मेडल जीतने वाली भारत की 10वीं मुक्केबाज हैं। मीनाक्षी ने भारत को टूर्नामेंट के इतिहास में विमेंस कैटेगरी का 16वां गोल्ड दिलाया है। इस टूर्नामेंट में भारत

ने अब तक 9 सिल्वर और 22 ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं। मीनाक्षी ने नजिम काईजीबे को हराया मीनाक्षी ने पेरिस ओलिंपिक की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट नजिम काईजीबे (कजाकिस्तान) को 48 किलोग्राम वेट कैटेगरी के फाइनल में 4-1 से हराया। उन्होंने बैकफुट पर रहते हुए अपने लंबे हाथों का फायदा उठाया और प्रतिद्वंद्वी पर सीधे पंच जमाए। जैस्मिन ने जूलिया स्जेरेमेटा को 4-1 से हराया पहला राउंड 2-3 से गंवाने के बाद भारतीय मुक्केबाज जैस्मिन ने जोरदार वापसी की। उन्होंने मैच पर कंट्रोल किया। जैस्मिन ने अटैक और डिफेंस के बीच जोरदार समन्वय स्थापित किया, जिससे सभी जज उनके पक्ष में हो गए।

फाइनल में जीत के बाद जैस्मिन ने कहा : इस एहसास को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। वर्ल्ड चैंपियन बनकर मैं बहुत खुश हूं। पेरिस ओलिंपिक में शुरुआती हार के बाद मैंने खुद को पूरी तरह से तैयार किया। यह सफलता उसी मेहनत का परिणाम है।

12 साल बाद पुरुष बॉक्सरों को कोई मेडल नहीं

टूर्नामेंट में महिला मुक्केबाजों की शानदार सफलता के उलट पुरुष वर्ग के लिए यह चैंपियनशिप निराशाजनक रही। भारत का 10 सदस्यीय पुरुष दल बिना किसी पदक के घर लौट रहा है। 2013 के बाद यह पहला मौका है, जब भारतीय पुरुष मुक्केबाज खाली हाथ रहे। 50 किग्रा वर्ग के क्वार्टर फाइनल में जादुमणि सिंह मंडेनबाम ने मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन कजाकिस्तान के संझार ताश्केनबाय को कड़ी चुनौती दी, लेकिन 0-4 से हार गए। जादुमणि के अलावा केवल अभिनाश जमवाल (65 किग्रा) ही क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे, जबकि बाकी खिलाड़ी शुरुआती दौर में ही बाहर हो गए।

पिछली बार पुरुषों को मिले थे तीन मेडल

2023 में ताशकंद वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारत ने पुरुष वर्ग में तीन ब्रॉन्ज मेडल जीते थे। दीपक भोरिया (51 किग्रा), मोहम्मद हुसामुद्दीन (57 किग्रा) और निशांत देव (71 किग्रा) ने तब मेडल दिलाए थे।

मुख्यमंत्री ने कैम्प कार्यालय बगिया में 'जशपुर पर्यटन एवं कृषि क्रांति' का किया शुभारंभ

प्रकृति और संस्कृति का संगम है जशपुर : मुख्यमंत्री साय

रायपुर,14 सितम्बर 2025। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रविवार को मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय बगिया में पर्यटन एवं कृषि क्रांति का शुभारंभ किया। जशपुर पर्यटन एवं कृषि क्रांति इको टूरिज्म और होमस्टे से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम जशपुर के स्व सहायता समूह और किसानों को इसका प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। इस अवसर पर झारखंड सरकार के पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, सरगुजा आदिवासी विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष और पत्थलगांव विधायक श्रीमती गोमती साय,जशपुर विधायक श्रीमती रायमुनि भगत,जिला पंचायत अध्यक्ष सालिक साय,कलेक्टर रोहित व्यास,एस एस पी शशि मोहन सिंह, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक कुमार, सुनील गुप्ता,मुकेश शर्मा सहित जनप्रतिनिधिगण और बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित थे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रविवार को मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय जशपुर में आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ विकास के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आव्हान पर सबका साथ सबका विकास को चरितार्थ किया जा रहा हैं। मुख्यमंत्री ने जशपुर जिले में पर्यटन के क्षेत्र में कार्य करने वाले स्व सहायता समूह और युवाओं को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक बार फिर जशपुर जम्बूरी के नए सीजन का आयोजन होने जा रहा है। जिसमें आगामी 6 से 9 नवम्बर तक देश, दुनिया के लोग यहाँ पहुँचकर रोमांच, कला और सामुदायिक अनुभवों से परिचित हो पाएँगे। जशपुर की मिट्टी की खुशबू को जीवंत करने के लिए कर्मा,सरहुल जैसे जनजातीय नृत्य के साथ गोदना कला, काष्ट शिल्प और लौह शिल्प जैसे हस्तशिल्प की प्रदर्शनी और लोकनाट्य पर आधारित सांस्कृतिक संध्या आयोजित की जाएगी। इससे न केवल हमारी सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण और प्रसार होगा, बल्कि स्थानीय कला और हस्तशिल्प को वैश्विक पहचान भी मिलेगी। जशपुर जम्बूरी एक ऐसा उत्सव है जो प्रकृति,संस्कृति और विकास को एक सूत्र में पिरोता है। यह आयोजन जशपुर की प्राकृतिक सुंदरता, जनजातीय विरासत और आधुनिक विकास को एक साथ पेश करता है। जशपुर जंबूरी केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि आर्थिक सशक्तीकरण का माध्यम भी है। उन्होंने कहा कि स्वदेश दर्शन योजना के तहत मयाली नेचर कैंप में बोटिंग,कैक्टस गार्डन और टेंट सुविधाएँ जोड़ी गई हैं। यहाँ के पर्यटक स्थल अब बेहतर सुविधाओं से सजे हैं, मयाली में सबसे बड़े प्राकृतिक शिवलिंग मधेश्वर पहाड़ को गोल्डन बुक आफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया है जो जशपुर को आध्यात्मिक और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में स्थापित कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम टूरिज्म सेक्टर को एक उद्योग के रूप में देख रहे हैं, जिससे स्थानीय उद्यमशीलता बढ़ेगी। राज्य में होम-स्टे नीति लागू की है ताकि पर्यटक जनजातीय संस्कृति को जानना-समझना चाहते हैं।

उनके भीतर आदिवासी संस्कृति, परम्पराओं,उनके खान-पान, रहन-सहन को लेकर एक जिज्ञासा और उत्सुकता रहती है। ऐसे में होम-स्टे छत्तीसगढ़ के आदिवासी क्षेत्रों में विकास की नयी अवधारणा है,जिसमें स्थानीय समुदायों को रोजगार के बेहतर अवसर मिल रहा है। इससे पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। जशपुर जम्बूरी जैसे उत्सव से स्थानीय होम-स्टे,गाइड्स और शिल्पकारों को सीधा लाभ होगा।

पर्यटन के नक्शे पर नयी पहचान दिलाने की पहल की : साय

मुख्यमंत्री ने कहा कि नए दायित्वों और जिम्मेदारियों की वजह से अब ज्यादातर समय मुझे जशपुर से बाहर रहना पड़ता है, लेकिन जशपुर निरंतर आता रहूंगा और विकास के क्षेत्र में बेहतर कार्य करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री बनने के बाद जशपुर जम्बूरी के जरिए जशपुर को पर्यटन के नक्शे पर नयी पहचान दिलाने की पहल की गई है। वर्ष 2024 में हुए जशपुर जम्बूरी में हमारे पड़ोसी राज्यों से भी बड़ी संख्या में लोग हिस्सा लेने और उस अवसर का गवाह बनने पहुंचे। जशपुर जम्बूरी में न सिर्फ ईको-टूरिज्म और एडवेंचर स्पोर्ट के लिए लोगों ने नया महौल दिया, बल्कि जनजातीय परम्पराओं से भी रूबरू कराया गया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सांस्कृतिक प्रदर्शन, स्थानीय व्यंजनों का मेला और जनजातीय नृत्यों ने पर्यटकों को आकर्षित किया।

दूसरी जम्बूरी 6 से 9 नवम्बर तक,पहली 2024 में हुई

जशपुर जम्बूरी जशपुर की वादियों और झरनों के बीच हर साल एक ऐसा उत्सव मनाया जाता है, जो केवल एक कार्यक्रम नहीं बल्कि इस जिले की आत्मा का अनुभव है। जशपुर जम्बूरी ने 2024 में अपनी शानदार शुरुआत की और अब 2025 में एक और भव्य रूप में लौट रहा है। 2024 में आयोजित पहली जशपुर जम्बूरी ने रोमांच, संस्कृति और समुदाय का ऐसा संगम पेश किया, जिसने देशभर से प्रतिभागियों को आकर्षित किया। झारखंड,ओडिशा,रायपुर और छत्तीसगढ़ के कई जिलों से आए लोगों ने इस उत्सव में हिस्सा लिया। प्रतिभागियों ने रानी दाह,टी-गार्डन और जशपुर संग्रहालय जैसे स्थलों की सैर कर इतिहास और संस्कृति को करीब से महसूस किया। फ़ूड लैब ने स्थानीय व्यंजनों को आधुनिक रूप में प्रस्तुत कर सबका दिल जीता। सरहुल और कर्मा नृत्य की प्रस्तुतियों ने जनजातीय परंपराओं की गहराई दिखाई। चार दिन रोमांचक गतिविधियों,सांस्कृतिक रंग और सामुदायिक मेलजोल के नाम रहे।

सरकारी विभागों के ठेकेदार भुगतान के लिए तरसे
रायपुर में 16 को प्रदेश स्तरीय बैठक में होगा बड़ा फैसला

राजनांदगांव,14 सितम्बर 2025। छत्तीसगढ़ में सरकारी विभागों के ठेकेदारों की आर्थिक हालत खस्ता होती जा रही है। विभिन्न विभागों में कार्यरत ठेकेदारों को काम करने के बावजूद भुगतान के लिए तरसना पड़ रहा है। इस हालत को लेकर ठेकेदारों ने राजधानी रायपुर में 16 सितंबर को एक प्रदेश स्तरीय बैठक बुलाई है। इस बैठक में ठेकेदार रणनीति बनाकर वित्तीय समस्याओं से निपटने पर चर्चा करेंगे। कार्य का भुगतान नहीं होने के कारण ठेकेदारों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। उधर अफसर बजट का रोना रोकर अपना पल्ला झाड़ रहे हैं।

वहीं ठेकेदार एसोसिएशन इस बात के लिए भी खफा है कि पूर्व में किए गए कार्यों का भुगतान लंबित होने के बावजूद अफसर नए कार्यों को लेकर भी दबाव बना रहे हैं। ठेकेदार एसोसिएशन ने अब प्रदेशभर के ठेकेदारों को राजधानी में इकट्ठा होने को कहा है। अधिकारियों की मनमानी और विसंगतियों को लेकर ठेकेदारों ने लामबंद होकर विरोध करने की तैयारी कर ली है। ऐसे कई मुद्दे हैं जिसे लेकर एसोसिएशन ने आक्रामक रूख अख्तियार कर लिया है। 16 सितंबर को बैठक में प्रदेशभर के ठेकेदार उपस्थित रहेंगे। बैठक के पश्चात राज्य सरकार के सामने निर्माण संबंधी मुद्दों को एसोएिशन प्रमुखता से रखेगा। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष बिरेश शुक्ला व राजनांदगांव के अध्यक्ष संजय सिंगी ने कहा कि संगठन की मजबूती और विस्तार के साथ ही विभिन्न ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा पश्चात निर्णय लेने बैठक बुलाई गई है। इस बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे। ठेकेदारों का यह भी कहना है कि राज्य के विकास में उनकी अहम भूमिका होती है, लेकिन विभागीय अधिकारियों द्वारा समस्याओं का निराकरण करने के बजाय हर स्तर पर प्रक्रियाओं को जटिल बनाने में दिलचस्पी दिखाई जाती है। निर्माण कार्य के बाद भुगतान के लिए भी चक्कर लगवाया जा रहा है। ठेकेदार अनावश्यक रूप से अफसरशाही के रवैये से आर्थिक और मानसिक परेशानी से जूझ रहे हैं। लाखों रुपए का भुगतान रूकने से ठेकेदारों का जमीनी स्तर पर कामकाज प्रभावित हो रहा है। बताया जा रहा है कि वर्तमान में करोड़ों रुपए का बिल अटका हुआ है। भुगतान नहीं होने से ठेकेदारों को कर्ज लेने के लिए भी कदम उठाना पड़ रहा है। इस तरह के मसलों पर सरकार का ध्यान नहीं है। यही कारण है कि ठेकेदार संघ ने अब सार्वजनिक रूप से बैठक करने और अपनी समस्याओं को लेकर रणनीति बनाने का निर्णय लिया है।

न्यूड पार्टी मामले में रायपुर पुलिस का खुलासा
प्रमोशन और प्रमोट करने वाले सहित 7 गिरफ्तार

रायपुर,14 सितम्बर 2025। न्यूड पार्टी मामले में रायपुर पुलिस ने खुलासा कर दिया है, मामले में प्रमोशन और प्रमोट करने वाले सहित 7 गिरफ्तार हुए है। 13.09.2025 को सोशल मिडिया एवं अन्य माध्यम से पुलिस को जानकारी प्राप्त हुई कि APARICHIT CLUB PRESENT के द्वारा RAIPUR'S BIGGEST STRANGERS HOUSE/ POOL PARTY का आयोजन दिनांक 21.09.2025 को 04.00 बजे से मध्य रात्रि तक व्हीआईपी रोड के किसी फार्म हाऊस/पब/पूल में आयोजित किया जाएगा, जिसमें पुलिस के द्वारा स्वतः संज्ञान लेते हुए अपरिचित क्लब के संचालक एवं पूल पार्टी के आयोजको एवं मोबाइल नंबर के धारकों के विरूद्ध थाना तेलीबांधा में अपराध क्रमांक 592/25 धारा 4 स्त्री अशिष्ट रूपण प्रतिषेध अधिनियम,धारा 67 आईटी एक्ट एवं धारा 79 भारतीय न्याय संहिता का अपराध पंजीबद्ध किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में सायबर विंग टीम द्वारा सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्मों तथा वेब पोर्टल में उक्त पार्टी से संबंधित प्रचारित एवं प्रसारित हो रहे पोस्टर व इससे संबंधित मोबाईल नंबरों का तकनीकी विश्लेषण किया गया। तकनीकी विश्लेषण के दौरान आरोपियों के संबंध में जानकारी एकत्र करते हुये एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना तेलीबांधा पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा आरोपियों की पतासाजी करते हुये प्रकरण में कुल 07 आरोपियों को गिरफ्तार कर आरोपियों के विरूद्ध कार्यवाही किया गया। आरोपी संतोष जेवानी एवं अजय महापात्रा इवेंट आर्गेनाईज करने वाले थे। आरोपी संतोष गुप्ता जिसका भाठागांव में एस.एस. नाम से फार्म हाउस है, उक्त इवेंट हेतु संतोष गुप्ता द्वारा अपना फार्म हाउस उपलब्ध कराया गया था। आरोपी अवनीश गंगवानी द्वारा इवेंट का प्रमोशन कराया जा रहा था एवं WHAT IS RAIPUR नाम से इवेंट का करता है प्रमोशन। आरोपी जेम्स बेक व्ही.आई.पी. रोड तेलीबांधा रायपुर स्थित हाईपर क्लब का मालिक/संचालक है,जो दीपक सिंह एवं देवेन्द्र कुमार यादव के साथ मिलकर अपने क्लब के माध्यम से इस इवेंट को प्रमोट कर रहे थे,उक्त इवेंट में जिन व्यक्तियों ने अपने बैंक खातों से रकम ट्रांसफर कर अपनी इंट्री करायी है, ऐसे व्यक्तियों की भी जांच की जा रहीं है।

गिरफ्तार आरोपी

01. संतोष गुप्ता पिता स्व. जागेश्वर प्रसाद गुप्ता उम्र 68 साल निवासी मकान नंबर 25 बरसाना इन्क्लेव महोबा बाजार थाना आमानाका रायपुर।
02. संतोष जेवानी पिता परसराम जेवानी उम्र 30 साल निवासी जोरा पाटीदार भवन के पीछे थाना तेलीबांधा रायपुर।
03. अजय महापात्रा पिता जुगल किशोर महापात्रा उम्र 35 साल निवासी गायत्री नगर न्यू सेंट वेरी कालोनी मकान नंबर ए 14 थाना खम्हारडीह रायपुर।
04. अवनीश गंगवानी पिता रमेश गंगवानी उम्र 31 साल निवासी ब्यूटी पार्लर के पास अवंति विहार थाना खम्हारडीह रायपुर।
05. जेम्स बेक पिता स्व. जॉन बेक उम्र 59 साल निवासी अवंति विहार विजय नगर थाना खम्हारडीह रायपुर।
06. दीपक सिंह पिता स्व. रमाशंकर सिंह उम्र 39 साल निवासी हायपर क्लब तेलीबांधा थाना तेलीबांधा रायपुर।
07. देवेन्द्र कुमार यादव पिता अश्वनी कुमार यादव उम्र 37 साल निवासी हाऊसिंग बोर्ड कालोनी थाना खम्हारडीह रायपुर।

नेशनल लोक अदालत में 43 लाख से अधिक मामले सुलझे,5 अरब के अवार्ड पारित

रायपुर,14 सितम्बर 2025। साल 2025 की तीसरी नेशनल लोक अदालत हाईकोर्ट समेत प्रदेश की सभी जिला अदालतों और अन्य अदालतों में आयोजित की गई। राज्य में गठित पीठों ने 43,17,193 प्रकरणों का निराकरण करते हुए कुल 4,83,17,05,500 रुपए का अवार्ड पारित किया है। तकनीक का इस्तेमाल करते हुए जहां पक्षकार नहीं आ सके वहां उन्हें वर्चुअल माध्यम से जोड़कर और मोबाइल वेन के माध्यम से लोक प्रकरणों का निराकरण किया गया। शनिवार को राज्य में वर्ष 2025 की तृतीय नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस रमेश सिन्हा व मुख्य संरक्षक छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने उच्च न्यायालय बिलासपुर में गठित नेशनल लोक अदालत की दोनों खण्डपीठों के पीठासीन न्यायमूर्तियों जस्टिस रजनी दुबे एवं जस्टिस दीपक कुमार तिवारी से चर्चा करते हुए नेशनल लोक अदालतों की कार्यवाहियों का जायजा लिया। चीफ जस्टिस ने जिला एवं सत्र न्यायालय बिलासपुर में भौतिक निरीक्षण किया। मुख्य न्यायाधिपति द्वारा शेष समस्त जिला एवं सत्र न्यायालयों में आयोजित नेशनल लोक अदालत की कार्यवाहियों का वर्चुअल माध्यम से भी निरीक्षण किया गया।

बीजेपी सांसद भड़के धर्मांतरण पर
कहा...कब्रिस्तान और चर्च को उखाड़ फेंके

कांकेर,14 सितम्बर 2025। कांकेर से बीजेपी सांसद अपने विवादित बयानों के चलते अक्सर चर्चा में रहते हैं। एक बार फिर सांसद ने एक कार्यक्रम के दौरान कुछ ऐसा कहा है जिससे वो चर्चा में आ गए हैं। दरअसल,छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में आयोजित पारंपरिक ठाकुर जोहरानी कार्यक्रम के दौरान बीजेपी सांसद भोजराज नाग ने धर्मांतरण को लेकर बड़ा और तीखा बयान दिया है। सांसद ने साफ शब्दों में कहा,गांव में अवैध प्रार्थना सभा,कब्रिस्तान,चर्च को उखाड़ फेंके, गांवों में हमारे देवी और देवता रहेंगे सांसद ने ये भी कहा कि धर्मांतरण के खिलाफ एकजुट होने की जरूरत है। बता दें कि सांसद ने ये बयान कांकेर जिले में आयोजित पारंपरिक ठाकुर जोहरानी कार्यक्रम के दौरान दिया। सांसद द्वारा दिया गया ये बयान अब सुर्खियों में है। गौर करने वाली बात है कि सांसद ने विवादित बयान पहली बार नहीं दिया है, सांसद पहले भी अपने बयानों के चलते चर्चा में रहे हैं। इससे पहले भी भोजराज नाग का एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ था। उस वायरल वीडियो में सांसद एक ठेकेदार को आम लोगों के सामने गालियां दे रहे थे। यही नहीं सांसद ने अपने एक विरोध प्रदर्शन के दौरान अपर कलेक्टर और कलेक्टर पर विवादित बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि मैंने कई बार अधिकारियों का भूत उतारा हूं,जनप्रतिनिधि भी हूं, बैगा भी हूं।

स्कूल शिक्षा मंत्री के कड़े तेवर:शराबी शिक्षकों की होगी बर्खास्तगी,एफआईआर भी कराया जाएगा दर्ज

रायपुर,14 सितम्बर 2025। बीते कई सालों से लगातार कार्यवाही के बावजूद प्रदेश के सरकारी स्कूलों में शराबी शिक्षकों की संख्या में कमी नहीं आ रही है। शिक्षकों के शराब पीकर आने के मामले में अब सरकार सख्त कदम उठाने जा रही है। ऐसे शिक्षकों के खिलाफ एफआईआर कराई जाएगी और उन्हें बर्खास्त भी किया जाएगा। सरगुजा और बस्तर संभाग में सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के शराब पीकर आने की शिकायत लगातार सामने आ रही हैं। प्रदेश के कई स्कूलों में छात्राओं से छेड़छाड़ की घटनाएं भी हुई हैं। इस तरह के मामलों को नए स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने गंभीरता लिया है। उन्होंने मीडिया से चर्चा में कहा कि शराबी शिक्षकों के खिलाफ पहले एफआईआर कराई जाएगी। और फिर जांच के बाद उन्हें सेवा से पृथक करने की कार्रवाई की जाएगी। इस सिलसिले में सभी जिलों को पत्र भेजा जा रहा है।गौरतलब है कि की एक दी पहले ही शिक्षा मंत्री ने समग्र शिक्षा में गलत तरीके से हुई भर्तियों के मामले में एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया है। इससे पूर्व दुर्ग के शिक्षा विभाग के संयुक्त संचालक हेमंत उपाध्याय को वित्तीय गड़बड़ी के मामले में निलंबित कर दिया गया। शिक्षा मंत्री के कड़े रवैए की विभाग में काफी चर्चा है और नियम विरुद्ध कार्य करने वाले अफसर अपनी कुर्सी बचाने की जुगत में लग गए हैं।

करंट हादसे में 2 मासूमों की मौत पर
हाईकोर्ट सख्त,छुट्टी के दिन की विशेष सुनवाई

बिलासपुर,14 सितम्बर 2025। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में करंट लगने से दो मासूम बच्चों की दर्दनाक मौत के मामले ने पूरे प्रदेश को झकझोर दिया है। इस हादसे को लेकर छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने गंभीर रुख अपनाया और छुट्टी के दिन ही विशेष सुनवाई की। अदालत ने घटना को बेहद संवेदनशील बताते हुए अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई और साफ कहा कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ठोस रोडमैप तैयार किया जाए। जानकारी के मुताबिक, खुले करंट की चपेट में आने से दोनों मासूमों की मौके पर ही मौत हो गई थी। ग्रामीणों का आरोप है कि कई बार बिजली विभाग और प्रशासन को तार व खंभों की मरम्मत की जानकारी दी गई थी,लेकिन समय पर कार्रवाई नहीं की गई। लापरवाही के चलते मासूमों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा। हाईकोर्ट ने इस मामले में बिजली कंपनी,नगर निगम और जिला प्रशासन से जवाब मांगा है। अदालत ने कहा कि यह केवल एक हादसा नहीं है, बल्कि सिस्टम की लापरवाही का परिणाम है। अगर समय रहते सुरक्षा उपाय किए जाते तो बच्चों की जान बच सकती थी।

बिजली दर बढ़ी तो सियासत शुरू..
नेता प्रतिपक्ष ने सरकार पर बोला हमला, कहा...बिजली बिल हाफ योजना बंद से लोग परेशान

रायपुर,14 सितम्बर 2025। छत्तीसगढ़ में एक बार फिर कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला है। बिजली बिल में हुई बढ़ोतरी को लेकर नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत ने साय सरकार के कार्यकाल को 2 साल के करीब ही हुआ है और तीसरी बार बिजली बिल के दामों में बढ़ोतरी देखने को मिली है। प्रति यूनिट 20 पैसे की हर वर्ग को परेशान कर दिया है। इसके साथ ही उन्होंने सरकार को इस फैसले को वापस लेने की मांग की है। कांग्रेस पहले भी इसे जनता पर अत्याचार बता चुकी है। इसके अलावा नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत ने कहा कि भाजपा सरकार ने हमारी सरकार की बिजली बिल हॉफ योजना को बंद कर दिया। साथ ही प्रति यनिट 20 पैसे की बढ़ोतरी से जनता पर आर्थिक बोझ की दोहरी मार पड़ी है। हर उपभोक्ता को अपने बिजली बिल में लगभग 1000 रुपए की वृद्धि देखने को मिल रही है। इससे बढ़ी बिजली दरों से पूरी जनता परेशान है। डॉ. महंत ने कहा कि सरकार क्या करना चाहती है,बिजली की दर में इतनी उछाल क्यों है जबकि छत्तीसगढ़ कोयला और पानी जैसे प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध है। हम अपनी बिजली की जरूरतों को पूरा करने के साथ दूसरे राज्यों को भी बिजली बेचते हैं। बिजली दरों में बढ़ोतरी से किसान, व्यापारी सभी वर्ग में आक्रोश देखने को मिल रहा है, उन्होंने सरकार से इस निर्णय को वापस लेकर लोगों को राहत देने की मांग की है। बता दें कि करीब 2 महीने पहले बिजली नियामक आयोग नया टैरिफ जारी किया था।

रायपुर में महिला थाने में खुद को आग लगाने वाली महिला की मौत

रायपुर,14 सितम्बर 2025। राजधानी रायपुर से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। चार दिन पहले महिला थाना परिसर में आग लगाकर आत्मदाह का प्रयास करने वाली महिला ने आखिरकार रविवार को अस्पताल में दम तोड़ दिया। दरअसल, पति-पत्नी के विवाद को लेकर महिला काउंसलिंग के लिए थाने पहुंची थी। इसी दौरान उसने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली और चीखते-चिल्लाते हुए थाने के अंदर दौड़ गई। महिला आयोग और पुलिस से भी शिकायत की थी। पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र का मामला है। पति पर लगातार मारपीट और प्रताड़ना का आरोप लगाई थी। बताया गया कि दोनों ने करीब 5 साल पहले लव मैरिज की थी और उनके दो बच्चे भी हैं। बहन ने यह भी बताया कि शादी के बाद से ही महिला को लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था। इस मामले में महिला आयोग और पुलिस से भी कई बार शिकायत की गई थी।

राजधानी में अब आसान नहीं होगा धरना-प्रदर्शन
चार विभागों से लेनी होगी अनुमति, निगम की सबसे ज्यादा जरूरी

रायपुर,14 सितम्बर 2025। राजधानी रायपुर में अब सार्वजनिक कार्यक्रम आयोजित करने के नियम कड़े कर दिए गए हैं। नगरीय प्रशासन विभाग ने नया आदेश जारी कर नगर निगम को कार्यक्रमों की अनुमति देने का अधिकार सौंप दिया है। अब शहर में किसी भी प्रकार का पंडाल लगाना,अस्थायी निर्माण करना, रैली या जुलूस निकालना हो,तो आयोजनकर्ता को पहले निगम से अनुमति लेनी होगी।

कितने दिन पहले देना होगा आवेदन : इस संबंध में जारी आदेश के अनुसार, आयोजन से कम से कम सात दिन पहले नगर निगम के जोन कार्यालय में आवेदन देना होगा। आवेदन में आयोजन स्थल, समय, अपेक्षित भीड़,सुरक्षा व्यवस्था और अन्य विवरण का उल्लेख करना अनिवार्य होगा।

इन चार विभागों से लेना होगा एनओसी : नगर निगम की अनुमति के साथ-साथ चार विभागों से नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट भी लेना जरूरी होगा-

- **राजस्व विभाग :** आयोजन स्थल और भूमि उपयोग की अनुमति के लिए।
- **पुलिस विभाग :** कानून-व्यवस्था और ट्रैफिक प्रबंधन के लिए।
- **होमगार्ड/अग्निशमन विभाग :** अग्नि सुरक्षा और आपातकालीन इंतजामों के लिए।
- **विद्युत विभाग :** बिजली कनेक्शन और सुरक्षा की जांच के लिए।

निगम का कहना है कि इन एनओसी के बिना अनुमति पत्र जारी नहीं किया जाएगा। नगरीय प्रशासन विभाग का कहना है कि शहर में बढ़ते आयोजनों के कारण ट्रैफिक,सुरक्षा और स्वच्छता की समस्या सामने आ रही थी। कई बार बिना अनुमति के पंडाल बनाए जाते हैं, जिससे हादसे की आशंका रहती है। नये नियम व्यवस्था को सुदृढ़ करने और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लाया गया है।

जुलूस और रैली पर भी लागू होंगे यही नियम

अब राजनीतिक दलों,सामाजिक संगठनों और धार्मिक आयोजनों के लिए भी यह नियम लागू होंगे। कोई भी रैली,जुलूस या सार्वजनिक सभा आयोजित करने से पहले निगम से अनुमति लेनी होगी। नियमों का उल्लंघन करने पर कार्रवाई की जा सकती है, जिसमें जुर्माना और आयोजन रद्द करना भी शामिल है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)